राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 | वर्ष: 11 | अंक: 185 | पृष्ट : 08, | नई दिल्ली, रविवार , 16 जनवरी 2022 | मूल्य: 1.50/-

कोरोना से जंग: बीआरडी मेडिकल कॉलेज में कोविड हॉस्पिटल का निरीक्षण करने पहुंचे योगी, लिया इंतजामों का जायजा

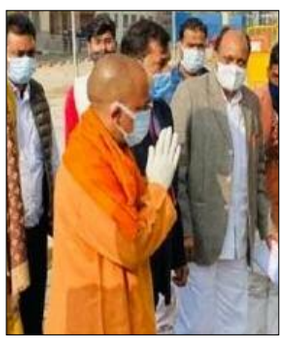

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश-दुनिया में सदी की सबसे बड़ी महामारी कोरोना पर प्रभावी नियंत्रण पाते हुए सरकार ने जीवन के साथ लोगों की जीविका को भी सफलतापूर्वक बचाया है। कोरोना की पहली और दूसरी लहर में मिले अनुभवों से तीसरी लहर को पूरी कुशलता और सफलता से रोका गया है। कोरोना का नया वैरिएंट ओमिक्रॉन ज्यादा घातक नहीं है, फिर भी इससे बचाव और इस पर काबू पाने के लिए सावधानी व सतर्कता ज्यादा जरूरी है।

मुख्यमंत्री शनिवार को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में कोविड हॉस्पिटल और इसी परिसर में स्थित रीजनल मेडिकल रिसर्च सेंटर (आरएमआरसी) का निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर में मरीजों को निगेटिव होने में 15 दिन से एक माह तक का समय लग रहा था। फेफड़े की गंभीर समस्या और पोस्ट कोविड के मामले सामने आ रहे थे। इसकी तुलना में तीसरी लहर ज्यादा खतरनाक नहीं है। नए वैरिएंट ओमिक्रॉन को लेकर विशेषज्ञों ने जो बातें बताईं हैं उसके अनुसार यह सामान्य वायरल फीवर जैसा है। प्रदेश में इसकी पॉजिटिविटी रेट 6 प्रतिशत है। इसमें 99 प्रतिशत मामले होम आइसोलेशन के हैं। होम आइसोलेट लोगों को मेडिसिन किट उपलब्ध कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि जिले में 2200 से ज्यादा एक्टिव केस हैं। इनमें केवल 12 मरीजों को भर्ती करने की जरूरत पड़ी है। यानी 0.5 प्रतिशत मामलों में ही अस्पताल में भर्ती करने की नौबत आई है। अन्य मरीज होम आइसोलेशन में हैं। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया पौने दो वर्ष से कोरोना महामारी का सामना कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश ने इस महामारी

चुनावी रैलियों, रोड शो पर प्रतिबंध 22 जनवरी तक बढ़ा, आयोग ने जारी किया नया आदेश

नई दिल्ली। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों का एलान होना शुरू हो गया है। राजनीतिक उठापठक के बीच चुनाव जीतने के लिए राजनीतिक दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है। नेताओं के दल बदलने का सिलसिला भी जारी है। इन सबके साथ राजनीतिक नेताओं की बयानबाजी और गुटबाजी भी अब सामने आने लगी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को गोरखपुर से चुनाव लड़ा कर भारतीय जनता पार्टी ने एक साथ कई निशाने साध लिए। गोरखपुर से चुनाव लड़ने पर योगी आदित्यनाथ न सिर्फ गोरखपुर बल्कि पूर्वांचल के तकरीबन 15 जिलों पर असर डालेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि अयोध्या, मथुरा और काशी के नाम पर भाजपा को जो माइलेज मिलना है वह योगी आदित्यनाथ के इन जगहों से चुनाव न लड़ने पर भी कमजोर नहीं होने वाला। बल्कि यह वह नाम है जिनके बल पर भाजपा दूसरी जगहों पर भी चुनाव जीत लेती है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अयोध्या, मथुरा और काशी के नाम पर तो दूसरी जगहों पर भी भाजपा प्रत्याशी चुनाव जीत जाते हैं। इसलिए योगी आदित्यनाथ को इनमें से कहीं से चुनाव न लड़ा कर उनको उनके गढ़ में भेजा गया। अब योगी आदित्यनाथ गोरखपुर से पूर्वांचल को साधेंगे। पढ़ें पूरा उत्तर प्रदेश समेत पांचों राज्यों में चुनावी रैलियों, रोड शो और जनसंपर्क पर लगी प्रतिबंध 22 जनवरी तक चुनाव आयोग ने बढ़ा दी है। इसके लिए शनिवार को नया आदेश जारी कर दिया गया है। अब तक 15 जनवरी तक यह प्रतिबंध लगाई गई थी।

कानपुर में पुलिस कमिश्नर रहे असीम अरुण ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली।

सेना प्रमुख बोले- अपनी आदत से बाज नहीं आ रहा पाक, 300-400 आतंकियों को घुसपैठ के लिए दे रहा रास्ता

नई दिल्ली। भारतीय सेना आज

अपना 74वां स्थापना दिवस मना रही है। भारतीय सेना द्वारा हर साल 15 जनवरी के दिन भारतीय सेना दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने देश को बधाई दी और फिर लोगों को संबोधित किया। इस मौके पर सेना प्रमुख ने पाकिस्तान पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देने की अपनी आदत से लाचार है। सीमा पार प्रशिक्षण शिविरों में तकरीबन 300-400 आतंकवादी घुसपैठ करने के अवसर की तलाश में बैठे हैं। सरहद पार से ड्रोन द्वारा हथियारों की तस्करी की कोशिश भी जारी है।

सेना प्रमुख ने कहा कि एलओसी में स्थिति पिछले साल से बेहतर है लेकिन पाकिस्तान अभी भी सीमा के पास आतंकियों को पनाह दे रहा है। करीब 300-400 आतंकी भारत में घुसपैठ का इंतजार कर रहे हैं। जवाबी कार्रवाई में कुल 144 आतंकवादी मारे गए हैं।

सेना प्रमुख ने कहा कि पिछले साल चीन के तनाव के कारण सेना के लिए चुनौतीपूर्ण था और हाल ही में हुई 14वीं बैठक में स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। सेना प्रमुख ने कहा कि कोरोना महामारी के

योगी आदित्यनाथ गोरखपुर से लड़ेंगे चुनाव

लखनऊ। भाजपा ने यूपी विधानसभा चुनाव 2022 के पहले व दूसरे चरण के लिए प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर शहर से चुनाव लड़ेंगे जबकि केशव प्रसाद मौर्य प्रयागराज की सिराथु सीट से प्रत्याशी होंगे। कैराना विधानसभा सीट से मृगांका सिंह भाजपा प्रत्याशी होंगी।

पार्टी के यूपी प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने प्रेस कांफ्रेंस कर सूची जारी की है। भाजपा ने पहले चरण की 58 सीटों में से 57 उम्मीदवारों व दूसरे चरण की 55 सीटों में से 48 पर प्रत्याशियों की घोषणा की है। भाजपा ने श्रीकांत शर्मा को मथुरा सीट से उम्मीदवार घोषित किया है। वह योगी सरकार में ऊर्जा मंत्री हैं। मेरठ दक्षिण से सुरेंद्र तोमर व खतौली से विक्रम सैनी को प्रत्याशी बनाया गया है। नवाबगंज से एमपी आर गंगवार, फरीदपुर से डॉ. श्याम बिहारी लाल, बरेली से डॉ. अरुण सक्सेना, बरेली कैंट से संजीव अग्रवाल, कटरा से वीर विक्रम सिंह प्रत्याशी होंगे। भाजपा ने 107 प्रत्याशियों की सूची जारी की है।

यूपी प्रभारी ने दावा किया है कि 2017 की तरह 2022 में भी भाजपा एक बार फिर प्रचंड बहुमत से यूपी में सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने कहा कि 2017 में जनता ने भाजपा को प्रचंड बहुमत का जनादेश दिया था।

वनडे, टी-20 के बाद विराट कोहली ने टेस्ट की भी कप्तानी छोड़ी, अचानक ट्वीट कर चौंकाया

मुंबई विराट कोहली ने टेस्ट की कप्तानी भी छोड़ दी है। उन्होंने शनिवार को इसकी घोषणा की।

कोहली ने यह फैसला दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद लिया है। इस सीरीज में टीम इंडिया को दक्षिण अफ्रीका के हाथों 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था। कोहली ने कप्तानी छोड़ने का एलान सोशल मीडिया पर किया।

इसी के साथ कोहली ने पिछले तीन महीने के अंदर तीनों फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ी दी है। उन्होंने टी-20 विश्व कप के बाद टी-20 फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी थी। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से पहले उन्हें वनडे की कप्तानी से हटाया गया था। अब कोहली ने टेस्ट की कप्तानी भी छोड़ दी है।

कोहली ने पोस्ट में क्या लिखा

कोहली ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा- मैंने सात तक टीम इंडिया को सही दिशा में ले जाने के लिए कड़ी मेहनत की है। मैंने अपना काम पूरी ईमानदारी से किया और कुछ भी नहीं छोड़ा। सभी चीजें एक समय पर आकर रुक जाती हैं। मेरे लिए भी अब बतौर टेस्ट कप्तान रुकने का यही समय है।

उन्होंने लिखा- इस सफर में मेरे लिए कई अच्छे पल आए और बुरे पल भी देखने को मिले, लेकिन मैंने कभी अपनी कोशिश में कमी नहीं की और टीम पर विश्वास करना नहीं छोड़ा। मैंने हमेशा मैदान पर 120 प्रतिशत देने की कोशिश की है। अगर मैं ऐसा नहीं कर पा रहा हूं तो मुझे लगता है कि यह करना सही नहीं है। मेरा दिल पूरी तरह साफ है और मैं अपनी टीम के साथ बुरा नहीं कर सकता।

कोहली ने लिखा- मैं रवि शास्त्री और बाकी सपोर्ट ग्रुप को भी शुक्रिया कहना चाहता हूं। वे टेस्ट में हमेशा ऊपर जानी वाली गाड़ी (टीम इंडिया) के इंजन थे। आप सभी ने इस सफर में और मेरे विजन को पूरा करने में अहम रोल अदा किया। अंत में मैं महेंद्र सिंह धोनी को थैंक यू कहना चाहूंगा। उन्होंने मुझमें एक कप्तान देखा और मुझ पर विश्वास जताया कि मैं भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने में कामयाब हो पाऊंगा।

कोहली 2014 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर महेंद्र सिंह धोनी के संन्यास लेने के बाद टेस्ट कप्तान बने थे।

बसपा की पहली सूची जारी, 58 में से 53 सीटों के प्रत्याशियों का किया एलान

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी ने यूपी विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए 58 में से 53 सीटों के प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। आज मायावती का जन्मदिन भी है। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से पूर्ण बहुमत की सरकार बनवाने का तोहफा मांगा है। उन्होंने कहा है कि कोविड काल में सभी कार्यकर्ता घर से ही मेरा जन्मदिन मना रहे हैं और वह अपने क्षेत्र में ही पार्टी के प्रत्याशियों को भारी मतों से जिताएं। इसके साथ ही 2007 की भांति बसपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनवाएं। वह शनिवार को राजधानी स्थित पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बात कर रही थीं। इस मौके पर उन्होंने बीएसपी की ब्लू बुक मेरे संघर्षमय जीवन एवं बीएसपी मूवमेंट का सफरनामा भाग-17 और उसके अंग्रेजी संस्करण का विमोचन भी किया। उन्होंने कहा कि बसपा किसी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेगी। साथ ही बसपा को इस बार के विधानसभा चुनाव में फिर से जनता वापस जरूर लाएगी। इसके साथ ही पूर्व की भांति सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के आधार पर सरकार चलेगी। सारे ओपीनियन पोल व सर्वे फेल हो जाएंगे। उन्होंने प्रचार के लिए क्षेत्रों में न जाने को लेकर विपक्षियों द्वारा भ्रम फैलाने का आरोप लगाया साथ ही भतीजे आकाश आनंद को लेकर की जा रही तरह-तरह की बातों को भी षडयंत्र बताया।

नोएडा से पंकज सिंह और गाजियाबाद से अतुल गर्ग लड़ेंगे चुनाव, जानिए कौन कहां से है उमीदवार

उत्तर प्रदेश में चुनाव को लेकर सरगर्मियां बढ़ चुकी हैं और नामांकन का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। इसे देखते हुए समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी ने तो अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। अब मकर संक्रांति के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची में सीएम योगी आदित्यनाथ से लेकर दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य समेत कई कैबिनेट मंत्रियों के भी के नाम हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस की खास बातें

आज केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने देश के लोगों मकर संक्रांति की बधाई देकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सभी का साथ सभी का विश्वास के मंत्र पर चलने वाली सरकार है। हम आज पहले और दूसरे चरण के प्रत्याशियों के नाम का एलान करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पिछली बार भ्रष्टाचार उन्मूलन और गुंडाराज हटाने का मंत्र दिया था। यूपी में सबसे ज्यादा गरीबों को हमारी योजनाओं से फायदा होता है। योगी जी की सरकार ने यूपी को दंगा मुक्त किया है। यहां विकास तेजी से हो रहा है, नए मेडिकल कॉलेज तेजी से खुल रहे हैं। एक्सप्रेसवे से लेकर एयरपोर्ट तक बड़ी मात्रा में यूपी में बन रहे हैं। प्रधान ने आगे कहा कि इस वजह से यूपी में नई उमंग की लहर दिख रही है। हमें पूरा विश्वास है कि हम 2022 के इस महापर्व में उसी स्पष्टता के साथ जीतेंगे और यूपी हम पर आशीर्वाद की बौछार करेगा।

प्रधान ने आगे कहा कि आज हम पहले चरण की 58 सीट में से 57 के नाम रखेंगे और दूसरे चरण की 48 सीटों के नाम रखेंगे। आगे के चरणों के नामों की घोषणा वरिष्ठों से विचार के बाद होगी। हमने जो कहा उसको किया। हम यूपी में पहले से भी हमारी परंपरा रही, हम सामान्य सीट में भी अनुसूचित जाति के प्रत्याशियों को उतारेंगे। सर्व समाज सर्व स्पर्शी प्रतिनिधित्व किया जाएगा।

किस सीट से कौन है प्रत्याशी-

योगी आदित्यनाथ- गोरखपुर शहर
केशव प्रसाद मौर्य- प्रयागराज सिराथू(251 नंबर विधानसभा)

पहले चरण के नाम

कैराना- श्रीमती मृगांका सिंह
थाना भवन- सुरेश राणा
शामली- तेजेंद्र सिंह निर्वाल
बुढ़ाना- उमेश मलिक
चरथावल- सपना कश्यप
पुरकाजी- प्रमोद उटवाल
मुजफ्फरनगर- कपिल देव अग्रवाल
खतौली- विक्रम सैनी
मीरापुर- प्रशांत गुर्जर
सिवालखास- महेंद्र पाल सिंह
सरधना- संगीत सोम
हस्तिनापुर- दिनेश खटिक
किठौर- सत्यवीर त्यागी
मेरठ कैंट- अमित अग्रवाल
मेरठ- कमल दत्त शर्मा
मेरठ साउथ- सोमेंद्र तोमर
छपरौली- सहेंद्र सिंह रमाला
बड़ौत- कृष्णपाल सिंह मलिक
बागपत- योगेश धामा
लोनी- नंद किशोर गुर्जर
मुरादनगर- अजित पाल त्यागी
साहिबाबाद- सुनील शर्मा
गाजियाबाद- अतुल गर्ग
मोदीनगर- मंजू सिवाच
धौलाना- धर्मेश तोमर
हापुड़- विजय पाल आइती
गढ़मुक्तेश्वर- हरेंद्र चौधरी तेवतिया
नोएडा- पंकज सिंह
दादरी- तेजपाल सिंह नागर
जेवर- धीरेंद्र सिंह
शिकारपुर- अनिल शर्मा
सिंकदराबाद- लक्ष्मी राज सिंह
बुलंदशहर- प्रदीप चौधरी
अनूपशहर- संजय शर्मा
स्याना- देवेंद्र सिंह लोधी
डिबाई- चंद्र पाल सिंह
खुर्जा- मीनाक्षी सिंह
खैर- अनूप प्रधान बाल्मिकी
बरौली- ठाकुर जयवीर सिंह
अतरौली- संदीप सिंह
छर्रा- रविंद्र पाल सिंह
कोल- अनिल पराशर
इगलास- राजकुमार सहयोगी
छाता- चौधरी लक्ष्मी नारायण
मांट- राजेश चौधरी
गोवर्धन- ठाकुर मेघश्याम सिंह
मथुरा- श्रीकांत शर्मा
बलदेव- पूरन प्रकाश जाटव
एत्मादपुर- डॉ. धर्मपाल सिंह
आगरा कैंट(एससी)- जीएस धर्मेश
आगरा दक्षिण- योगेंद्र उपाध्याय
आगरा उत्तरी- पुरुषोत्तम खंडेलवाल
आगरा देहात- बेबी रानी मौर्य
फतेहपुर सीकरी- चौधरी बाबूलाल
खेरागढ़- भगवान सिंह कुशवाहा
फतेहाबाद- छोटेलाल वर्मा
बाह- रानी पक्षालिका

दूसरे चरण के प्रत्याशी

बेहट- नरेश सैनी
नकुड़- महेश चौधरी
सहारनपुर नगर- राजीव गुंबर
सहारनपुर- जगपाल सिंह
देवबंद- बृजेश सिंह रावत
रामपुर मनिहारन- देवेंद्र निम
गंगोह- श्री कीरत सिंह गुर्जर
नजीबाबाद- कुंवर भारतेंदु सिंह
नगीना- डॉ. यशवंत
बरहापुर- सुशांत सिंह
धामपुर- अशोक कुमार राणा
नहटौर- ओमकुमार
बिजनौर- सूची मौसम चौधरी
चांदपुर- कमलेश सैनी
नूरपुर- सीपी सिंह
कांठ- राजेश कुमार चुन्नू
मुरादाबाद देहात- कृष्णकांत मिश्रा
मुरादाबाद नगर- रितेश गुप्ता
कुंदरकी- कमल प्रतापति
बिलारी- परमेश्वर लाल सैनी
चंदौसी- गुलाबो देवी
असमौली- हरेंद्र सिंह रिंकू
संभल- राजेश सिंहल
चमरौआ- मोहन कुमार लोधी
बिलासपुर- बलदेव सिंह औलख
रामपुर - आकाश सक्सेना
मिलक (एससी)- राजबाला
धनौरा- राजीव तरारा
नौगांव सादत- देवेंद्र नागपाल
अमरोहा- राम सिंह सैनी
हसनपुर- महेंद्र सिंह खडगवंशी
गुन्नौर- अजीत कुमार (राजू यादव)
बिसौली (एससी)- कुशाग्र सागर
सहसवान- डीके भारद्वाज
बिल्सी- हरीश शाक्य
बदायूं- महेश गुप्ता
शेखपुर- धर्मेंद्र शाक्य
दातागंज- राजीव सिंह (बब्बू भईया)
मीरगंज- डॉ. डीसी वर्मा
नवाबगंज- एमपी आर्या गंगवार
फरीदपुर (एससी)- श्याम बिहारी लाल
बिथरी चैनपुर- राघवेंद्र शर्मा
बरेली- डॉ. अरुन सक्सेना
बरेली कैंट- संजीव अग्रवाल
आंवला- धर्मपाल सिंह
कटरा- वीर विक्रम सिंह
पुवायां- चेतराम पासी
शाहजहांपुर- सुरेश खन्ना

सहमति से लगेगी डूरंड लाइन पर बाड़: तालिबान के आगे क्यों घुटने टेक दिए पाकिस्तान ने?

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर बाड़ लगाने के सवाल पर पहले सख्त तेवर दिखाने के बाद पाकिस्तान ने फिर क्यों अपना रुख नरम कर लिया, यह अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों के बीच कयास का विषय बना हुआ है। पांच जनवरी को पाकिस्तान की सेना के जनसंपर्क विभाग- इंटरसर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक मेजर जनरल बाबर इफ्तिकार ने दो टूक एलान किया था कि बाड़ लगाने का काम किसी कीमत पर नहीं रोका जाएगा। उन्होंने कहा था- ह्यबाड़ लगाने के काम में पाकिस्तान के सैनिक शहीद हुए हैं और उनकी शहादत को बेकार नहीं जाने दिया जाएगा।ह्ल लेकिन शुक्रवार को पाकिस्तान का नया रूप सामने आया।

पाकिस्तान के गृह मंत्री शेख राशिद ने कहा कि सरहद पर बाड़ लगाने के बचे काम को पड़ोसी देश की सहमति से पूरा किया जाएगा। राशिद ने कहा- ह्यवे हमारे भाई हैं।ह्ल अफगानिस्तान-पाकिस्तान के बीच सीमा को डूरंड लाइन कहा जाता है। अफगान तालिबान इस सरहद को मान्यता नहीं देता। इसलिए बीते अगस्त में काबुल पर कब्जा करने के बाद से उसने बाड़ लगाने के काम पर एतराज शुरू कर दिया।

एक नजर

हांगकांग ने 150 से अधिक देशों से पारगमन उड़ानों पर रोक लगाई

हांगकांग। कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के प्रसार को रोकने के प्रयास के तहत हांगकांग हवाई अड्डे ने शुक्रवार को कहा कि वह एक महीने तक 150 देशों एवं क्षेत्रों के यात्रियों को शहर में नहीं आने देगा। हवाई अड्डे द्वारा पोस्ट किए गए नोटिस में कहा गया है कि जो यात्री पिछले 21 दिनों में अमेरिका और ब्रिटेन समेत उच्च जोखिम समझे जाने वाले 150 से अधिक स्थानों पर रहे हैं, उन्हें 16 जनवरी से 15 फरवरी तक हांगकांग नहीं आने दिया जाएगा। यह पाबंदी ऐसे समय में लगाई गई है जब शहर ओमीक्रोन से जूझ रहा है और ज्यादातर मामलों के स्रोत कैथी पैसिफिक के चालक दल के दो सदस्य हैं जिन्होंने पृथक-वास नियमों का उल्लंघन कर शहर के रेस्तराओं एवं बारों में खान-पान किया था एवं बाद में दोनों जांच में संक्रमित निकले थे।वर्ष 2021 के समापन के बाद से हांगकांग में 50 से अधिक स्थानीय संक्रमण सामने आए हैं। उससे पहले, हांगकांग तीन महीने तक सामुदायिक संक्रमण सामने नहीं आया था और वह बाकी चीन से पृथक-वास मुक्त यात्रा बहाल करने के लिए उसके साथ बातचीत भी कर रहा था।

चीन ने ब्रिटेन के आरोपों को खारिज किया

बीजिंग। चीन ने ब्रिटेन की घरेलू खुफिया एजेंसी द्वारा सांसदों को दी गई इस चेतावनी को गैर-जिम्मेदाराना बताकर खारिज कर दिया कि लंदन में रहने वाली एक वकील चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से ब्रिटेन की राजनीति में गुप्तरूप से हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रही है। चीन को तथाकथित हस्तक्षेप की कोई जरूरत नहीं है और वह कभी ऐसा नहीं करेगा। आरोप लगाने वाले लोग जेम्स बांड 007 फिल्मों से कुछ ज्यादा ही प्रभावित लगते हैं।ब्रिटिश संसद हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष लिंडसे होयले ने सांसदों को पत्र भेजकर आगाह किया था कि ब्रिटेन की खुफिया सेवा एमआई5 के अनुसार संसद में एक महिला चीनी एजेंट सक्रिय है। एमआई5 ने उन्हें आगाह किया कि क्रिस्टीन ली नामक महिला यहां संसद सदस्यों के साथ काम करते हुए चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से राजनीतिक हस्तक्षेप गतिविधियों में लिप्त रही है।

पाकिस्तान में नए सिरे से जनगणना और आवास गणना होगी

इमरान खान ने पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति पेश की

एजेंसी ■ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने शुक्रवार को देश की पहली राष्ट्रीय सुरक्षा नीति पेश की जिसे नागरिक केंद्रित फ्रेमवर्क पर तैयार किया गया है और सैन्य ताकत पर केंद्रित एक आयामी सुरक्षा नीति के बजाय इसमें आर्थिक सुरक्षा को केंद्र में रखा गया है। पिछले महीने राष्ट्रीय सुरक्षा समिति और मंत्रिमंडल से अनुमोदित सुरक्षा नीति के सार्वजनिक संस्करण जारी करते हुए इमरान ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारें पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में नाकाम रहीं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा कि 100 पन्नों के मौलिक दस्तावेज में राष्ट्रीय सुरक्षा को स्पष्ट रूप से परिभाषित किय गया है। इस नीति को नागरिकों को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है और आर्थिक सुरक्षा को केंद्रबिंदु बनाया गया है। इसमें पाकिस्तान को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर जोर है। खान ने कहा कि पाकिस्तान के जन्म से ही एक आयामी सुरक्षा नीति रही जिसमें सैन्य ताकत पर फोकस था। उन्होंने कहा, पहली बार राष्ट्रीय सुरक्षा प्रकोष्ठ ने सहमति से दस्तावेज तैयार किया है जिसमें सही तरीके से राष्ट्रीय सुरक्षा को परिभाषित किया गया है।

इमरान खान सरकार के लिए वर्ष 2022-2026 के लिए पंचवर्षीय नीति की भी घोषणा की गई है जो अपने तरह का पहचान रणनीति दस्तावेज है जो राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि और इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए दिशानिर्देश का जिक्र है। राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का वास्तविक मसौदा गोपनीय श्रेणी में बना रहेगा। राष्ट्रीय सुरक्षा का मुख्य थीम राष्ट्रीय सामंजस्य, आर्थिक भविष्य को सुरक्षित करना, रक्षा एवं क्षेत्रीय अखंडता, आतंरिक सुरक्षा, बदलती दुनिया में विदेश नीति और मानव सुरक्षा के ईर्दगिर्द है। इससे पहले पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोईद यूसुफ ने कहा था कि नई नीति के तहत पाकिस्तान एकीकृत राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचे की ओर बढ़ेगा जिसका लक्ष्य पाकिस्तान के नागरिकों की सुरक्षा, संरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा, नीति में आर्थिक सुरक्षा को केंद्र में रखा जाएगा। मजबूत अर्थव्यवस्था से अतिरिक्त संसाधन उत्पन्न होगे जिन्हें बाद में और सैन्य ताकत बढ़ाने और मानव सुरक्षा के लिए हस्तांतरित किया जाएगा। एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के मुताबिक यूसुफ ने कहा कि विदेशी मामलों के मोर्चे पर नई नीति भ्रामक सूचना, हिंदुत्व और घरेलू राजनीतिक फायदे के लिए आक्रमकता का इस्तेमाल भारत से अहम खतरे हैं। खबर में यूसुफ के हवाले से कहा गया कि नीति में जम्मू-कश्मीर को द्विपक्षीय संबंध के केंद्र में रखा गया है। जब उनसे पूछा गया कि यह भारत को क्या संदेश देता है तो उन्होंने कहा, यह भारत को कहता है कि सही कार्य करिए और हमारे लोगों की बेहतरी के लिए क्षेत्रीय संपर्क से जुड़िए। यह भारत को यह भी कहता है कि अगर आप सही कार्य नहीं करेंगे तो इससे पूरे क्षेत्र को नुकसान होगा और उसमें भी सबसे अधिक भारत का नुकसान होगा। इस सप्ताह के शुरुआत में अधिकारी ने कहा था कि पाकिस्तान भारत सहित अपने सभी पड़ोसियों से नई नीति के तहत शांति चाहता है और कश्मीर मुद्दे के समाधान के बिना भी नई दिल्ली से कारोबार के रास्ते को खुला रखना चाहता है।

पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध बेहतरीन पद्धतियों से देश में नए सिर से जनगणना और आवास गणना कराने का फैसला किया है। पाकिस्तान सरकार ने यह फैसला वर्ष 2017 में हुई जनगणना के नतीजों में उत्पन्न विसंगति के मद्देनजर किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा बृहस्पतिवार को जारी बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व में समान हित परिषद (सीसीआई) की 49वीं बैठक हुई जिसमें सातवीं जनगणना और आवास गणना कराने और जनगणना निगरानी समिति का गठन करने का फैसला किया गया। बयान के मुताबिक जनगणना सलाहकार समिति की सिफारिश के आधार पर सीसीआई ने बेहतरीन अंतरराष्ट्रीय पद्धतियों, डिजिटल तकनीक और जीआईएस निगरानी प्रणाली का इस्तेमाल कर जनगणना कराने का फैसला किया। बैठक में बताया गया कि जनगणना से पहले आवासों की गणना की जाएगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1998 के बाद देश में वर्ष 2017 में जनगणना कराई गई थी लेकिन इसके नतीजों को लेकर उत्पन्न विवाद की वजह से उसे कभी आधिकारिक रूप से साझा नहीं किया गया। कई समूह देश में नए सिरे से जनगणना कराने की मांग कर रहे थे। वर्ष 2017 की जनगणना के मुताबिक देश की कुल आबादी 20.78 करोड़ थी जबकि वार्षिक वृद्धि दर 2.4 प्रतिशत बताई गई थी।

श्रीलंका में कूड़े के ढेर से प्लास्टिक खाने से मर रहे हैं हाथी

एजेंसी ■ पल्लक्कडू (श्रीलंका)

इस सप्ताहांत दो और हाथियों के मृत पाए जाने के बाद संरक्षणवादी एवं पशु चिकित्सक चेतावनी दे रहे हैं कि पूर्वी श्रीलंका के खुले कूड़ा स्थल में पड़े प्लास्टिक अपशिष्ट खाने से हाथियों की मौत हो रही है। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो से करीब 210 किलोमीटर दूर अंपारा जिले के पल्लक्कडू गांव में कूड़े के ढ़ेर में पड़े प्लास्टिक अपशिष्ट निगलने से पिछले आठ साल में करीब 20 हाथियों की जान चली गई। वन्यजीव पशु चिकित्सक निहाल पुष्पाकुमार ने कहा कि मृत जीवों के परीक्षण से पता चला कि उन्होंने कूड़े के ढ़ेर से भारी मात्रा में गैर अपघटीय प्लास्टिक खा लिया था। उन्होंने कहा, पॉलीथीन, फूड रैपर, प्लास्टिक एवं न पचने वाली सामग्री तथा पानी आदि चीजें ही हैं जो हम पोस्टमार्टम में देख सकते हैं। जो सामान्य भोजन हाथी खाते हैं एवं पचाते हैं, वह नजर नहीं आया। श्रीलंका में हाथियों को बहुत सम्मान दिया जाता है। साथ ही वे देश में संकटापन्न भी हैं। देश की प्रथम हाथी गणना रिपोर्ट के अनुसार उनकी संख्या 19वीं सदी में 14000 थी जो घटकर 2011 में 6000 रह गई। प्राकृतिक पर्यावास के लगातार घटते चले जाने के कारण हाथियों पर जोखिम बढ़ता जा रहा है। कई हाथी भोजन की तलाश में मानव बस्तियों के पास चले जाते हैं जिससे वे शिकारियों के हाथों या अपनी फसल का नुकसान होने से नाराज किसानों के हाथों मारे जाते हैं। पुष्पाकुमार ने कहा कि भूखे हाथी कूड़ा स्थल (लैंडफिल) की ओर जाते हैं और प्लास्टिक एवं धारदार, नुकीली चीजें भी खा लेते हैं जिससे उनके पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचता है।

हैकरों के हमले के बाद यूक्रेन की कई सरकारी वेबसाइट बंद

एजेंसी ■ कीव

यूक्रेन पर शुक्रवार को हुए साइबर हमले के बाद से कई सरकारी वेबसाइट बंद हैं। यूक्रेन के अधिकारियों और मीडिया ने यह जानकारी दी। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ओलेग निकोलेंको ने शुक्रवार को फेसबुक पोस्ट में लिखा, बड़े हैकिंग हमले की वजह से विदेश मंत्रालय और कई अन्य सरकारी एजेंसियों की वेबसाइट अस्थाई रूप से बंद हैं। हमारे विशेषज्ञ पहले ही आईटी प्रणाली के कार्य को बहाल करने के लिए काम कर रहे हैं। यूक्रेनस्काय प्रावदा अखबार के मुताबिक देश की कैबिनेट, सात मंत्रियों, कोषागार, राष्ट्रीय आपदा सेवा और राज्य सेवा की वेबसाइट हैकिंग की वजह से उपलब्ध नहीं हैं। यूक्रेन के अधिकारियों का कहना है विशेषज्ञ पहले ही आईटी प्रणाली के कार्य बहाली के लिए काम कर रहे हैं।

खबरों के मुताबिक, हैकरों ने विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर यूक्रेनी, रूसी और पोलिश भाषा में संदेश लिखा कि यूक्रेनवासियों के निजी आंकड़े सार्वजनिक मंच पर लीक कर दिए गए हैं। संदेश में लिखा गया, चिंता करो एवं और बुरे की उम्मीद करो। यह तुम्हारे भूतकाल, वर्तमान और भविष्य के लिए है।

ओमीक्रोन स्वरूप से आई महामारी की लहर को रोकने के लिए...

इजराइल ने करीब पांच लाख लोगों को कोविड टीके की चौथी खुराक दी

एजेंसी ■ यरुशलम

इजराइल में अब तक पांच लाख से अधिक लोगों को कोविड-19 रोधी टीके की चौथी खुराक दी जा चुकी है। यह जानकारी यहां के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को दी। इजराइल ने पिछले महीने सर्वाधिक जोखिम वाली आबादी को दूसरी बूस्टर खुराक देने की शुरुआत की थी लेकिन बाद में इसका विस्तार 60 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों के लिए कर दिया गया।

अधिकारियों को उम्मीद है कि अतिरिक्त खुराक से कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप से आई महामारी की लहर को रोकने में मदद मिलेगी। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक इस समय इजराइल में करीब 2,60,000 मरीज उपचाराधीन हैं लेकिन इनमें से केवल 289 मरीज ही गंभीर रूप से बीमार हैं जो महामारी की पूर्ववर्ती लहर से काफी कम है।

इजराइल उन शुरुआती देशों में है जिसने सबसे पहले कोविड-19 रोधी टीके देने की शुरुआत की थी और पिछले साल गर्मियों में डेल्टा स्वरूप की लहर को रोकने के लिए बूस्टर खुराक की पेशकश की थी। देश की करीब आधी आबादी को कम से कम एक बूस्टर खुराक लग चुकी है। उल्लेखनीय है कि इजराइल की कुल आबादी 95 लाख है।

चीन में कोरोना वायरस रोधी उपायों को सख्त किया गया

एजेंसी ■ बीजिंग

चीन ने शुक्रवार को बीजिंग और देश के अन्य हिस्सों में महामारी रोधी उपायों को और सख्त कर दिया। देश में शीतकालीन ओलंपिक शुरू होने से करीब दो सप्ताह पहले अलग-अलग जगहों से संक्रमण के अधिक मामले सामने आ रहे हैं। बीजिंग ने अंतरराष्ट्रीय स्कूलों के बच्चों को अगले सप्ताह से जांच कराने का आदेश दिया है।

नागरिकों को कहा जा रहा है कि बहुत जरूरी होने पर ही यात्रा करें क्योंकि कोविड के प्रकोप वाले किसी शहर या क्षेत्र का दौरा करने की स्थिति में उन्हें लौटने की अनुमति देने की कोई गारंटी नहीं होगी।

इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में भूकंप के तेज झटके

एजेंसी ■ जकार्ता

इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा में शुक्रवार को जबर्दस्त भूकंप आया जिससे राजधानी जकार्ता में भवन हिल गए लेकिन किसी गंभीर जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि इस भूकंप के चलते सुनामी का भी खतरा नहीं है। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण संस्थान के अनुसार भूकंप की तीव्रता 6.6 थी और इसका केंद्र बांटेन प्रांत के तटीय शहर लाबुआन के दक्षिण-पश्चिम में करीब 88 किलोमीटर की दूरी पर हिंद महासागर में 37 किलोमीटर की गहराई पर था। इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान एवं भू-भौतिकी एजेंसी ने कहा कि सुनामी का कोई खतरा नहीं है।वैसे तो इस द्वीप समूह देश में अक्सर भूकंप आते रहते हैं लेकिन देश की राजधानी में सामान्यतः यह महसूस नहीं किया जाता है। करीब एक करोड़ की जनसंख्या वाले इस शहर में उंचे भवनों के निवासियों को कुछ सेंकेंड के लिए झटके महसूस हुआ। जकार्ता में एक अपार्टमेंट के 19 वें तल पर रहने वाले लैला अंसारी ने कहा, भूकंप भयावह था....मेरे कमरे में सब चीजें हिल रही थीं। हम डर के के चलते सीढे से नीचे आ गए।

मांग : नाटो पूर्व की ओर विस्तार न करे

एजेंसी ■ मास्को

रूस ने शुक्रवार को अपनी यह मांग दोहराई कि नाटो पूर्व की ओर विस्तार नहीं करेगा, हालांकि यूक्रेन के पास रूसी सेना के जमावड़े के बीच सैन्य गठबंधन द्वारा इसे अस्वीकार कर दिया गया है।रूस ने कहा कि वह पश्चिमी देशों की प्रतिक्रिया के लिए अनिश्चित काल तक इंतजार नहीं करेगा।रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने शुक्रवार को मास्को की मांग का उल्लेख करते हुए कहा कि नाटो यूक्रेन और अन्य पूर्व-सोवियत देशों में न तो विस्तार करेगा और न ही बलों को तैनात करेगा, क्योंकि यह यूक्रेन को लेकर बढ़ते तनाव को कम करने के लिए राजनयिक प्रयासों की प्रगति के लिए आवश्यक है। उन्होंने तर्क दिया कि रूस की सीमाओं के पास नाटो बलों और हथियारों की तैनाती एक सुरक्षा चुनौती है जिसका तुरंत समाधान किया जाना चाहिए। लावरोव ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमारा धैर्य खत्म हो गया है। पश्चिमी देश अभिमान से प्रेरित हैं और अपने दायित्वों और सामान्य ज्ञान के खिलाफ तनाव बढ़ा दिया है। लावरोव ने कहा कि रूस को उम्मीद है कि वाशिंगटन और नाटो अगले सप्ताह उसकी मांगों का लिखित जवाब देंगे। तनाव के बीच, यूक्रेन ने शुक्रवार को बड़े पैमाने पर साइबर हमले का सामना किया, जिसके कारण कई सरकारी एजेंसियों की वेबसाइट प्रभावित हुईं। जिनेवा में इस सप्ताह की वार्ता और ब्रसेल्स में संबंधित नाटो-रूस की बैठक यूक्रेन के पास रूसी सेना के जमावड़े के बीच आयोजित हुई थी।

पॉजिटिव कोविड मामलों की सूचना नहीं देने पर जुर्माने का प्रावधान कितना सही

इस सप्ताह आस्ट्रेलिया की एनएसडब्ल्यू सरकार ने फैसला किया कि रैपिड एंटीजन टेस्ट करवाने के बाद कोविड-19 पॉजिटिव आने वाले किसी भी व्यक्ति को अपने टेस्ट के नतीजे (सर्विस एनएसडब्ल्यू ऐप या वेबसाइट के माध्यम से) की सूचना देनी होगी। ऐसा नहीं करने वाले पर एक हजार डॉलर का जुर्माना लग सकता है। नया नियम 12 जनवरी से लागू हुआ (एक सप्ताह की छूट अवधि होगी)। पहले 24 घंटों में 80,000 से अधिक लोगों ने सकारात्मक परीक्षण दर्ज किए (1 जनवरी से दर्ज)। एक मायने में यह बहुत है। लेकिन चूंकि हमें किए गए परीक्षणों की कुल संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं है - सकारात्मक परिणाम की संख्या को छोड़ भी दें तो - इसे जांचना मुश्किल है।

जुर्माने का खतरा कई सवाल उठाता है, पहली बात यह है कि सरकार को कैसे पता चलेगा कि आप कोविड पॉजिटिव हैं और आपने इसकी सूचना नहीं दी है? एनएसडब्ल्यू प्रीमियर डोमिनिक पेरोटेट ने स्वीकार किया कि इसे लागू करना कठिन होगा, यह कहते हुए: राज्य भर में स्पष्ट रूप से ऐसे क्षेत्र हैं जहां ऐसे कानून हैं जिन्हें दूसरों की तुलना में लागू करना कठिन है, यह स्पष्ट रूप से एक है जिसे लागू करना कठिन होगा, इसके बारे में कोई संदेह नही है। इसे देखते हुए, यह जानना मुश्किल है कि इस तरह का दंड घोषित करने का क्या मतलब है।

वास्तव में, आर्थिक सिद्धांत और व्यवहार अनुसंधान दोनों ही यह सुझाव देते हैं कि यह नियम अपने उद्देश्य को हासिल नहीं कर पाएगा।

जुर्माना हतोत्साह के रूप में कार्य करता है

अर्थशास्त्री इन नियमों को अनुबंध सिद्धांत के लेंस के माध्यम से देखते हैं। नियम प्रोत्साहन पैदा करते हैं जो कुछ व्यवहारों को प्रोत्साहित या हतोत्साहित करते हैं। इस मामले में, मान लीजिए कि आप कोरोना पॉजिटिव आते हैं। यदि आप इसके परिणाम के रूप में अपने आप को अलग थलग रखते हैं, क्योंकि नियमों के बिना भी ऐसा करना सही है, तो सच्चाई से परिणाम की सूचना देने पर आपको कोई नतीजा नहीं भुगतना पड़ता है (जब तक कि यह करना आसान है, जो कि अधिकांश लोगों के लिए है)। लेकिन अगर आप खुद को अलग-थलग नहीं करेंगे, तो परिणाम के बारे में सच्चाई से सूचना देने का क्या परिणाम होगा। एनएसडब्ल्यू में आपको कोविड-19 का निदान होने पर आत्म-पृथक करने के दायित्वों का पालन करने में विफल रहने पर 5,000 डॉलर के जुर्माने का सामना करना पड़ता है। अब यह आप पर है कि आप परिणाम के संबंध में सूचना न देकर1,000 डॉलर के जुर्माने की कम संभावना या अलग-थलग करने में विफल रहने पर 5,000 डॉलर के जुर्माने की उच्च संभावना को चुनते है। तो ऐसे में एक व्यक्ति टेस्ट कराने के प्रति ही हतोत्साहित होता है- जो कि, आखिरकार, अधिकांश के लिए वैकल्पिक है। इसका मतलब है कि कम परीक्षण किए जाएंगे, उसके विपरीत जो अधिकारी चाहते हैं।

जुर्माना अच्छे व्यवहार को समाप्त करता है

हार्वर्ड के दार्शनिक माइकल सैंडल जैसे कुछ विद्वानों का तर्क है कि चीजों पर एक डॉलर का मूल्य लगाने से लोग उनके बारे में सौदेबाजी के तरीके से सोचने लगते हैं। नो-स्टैंडिंग ज़ोन में वाहन खड़ा करना अब गलत नहीं है, इसके लिए बस एक तरह का शुल्क है। दूसरे शब्दों में, जुर्माना नागरिक गुणों को नष्ट कर सकता है। इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण व्यवहारिक अर्थशास्त्री उरी गनीज़ी और एल्डो रुस्तिचिनी द्वारा माता-पिता को अपने बच्चों को समय पर बाल देखभाल केंद्रों से लेने के लिए प्रोत्साहित करने के तरीकों पर एक अध्ययन से आता है।

माता-पिता के देर से आने का मतलब था कि स्टाफ को देर तक रूकना पड़ेगा। अध्ययन में देर से पिकअप को रोकने के लिए जुर्माना लगाने वाले कुछ केंद्रों को शामिल किया गया। लेकिन जुर्माना वास्तव में अधिक देर से पिकअप का कारण बना। माता-पिता अब इतना दोषी महसूस नहीं करते थे। समय पर होना अब एक सामाजिक मानदंड नहीं रह गया था। उन्हें लगता था कि अगर वह समय पर आने के नियम की अवहेलना कर रहे हैं तो जुर्माना भरकर उसकी भरपाई कर रहे हैं। तो, यह इस सप्ताह के 1,000 डॉलर के जुर्माने के नियम के साथ भी हो सकता है। पकड़े जाने की संभावना नहीं होने की स्थिति में, कुछ लोग जुर्माने को कोई महत्व नहीं देंगे।

जुर्माना कानून का मजाक बना सकता है

सकारात्मक आरएटी परीक्षणों की सूचना देने में विफल रहने पर1,000 डॉलर के जुर्माने के बारे में अंतिम विचार उन कानूनों की समस्या से संबंधित है जिन्हें लागू नहीं किया जा सकता है। एनएसडब्ल्यू सरकार ने माना कि नए नियम की निगरानी करना मुश्किल होगा और यह ज्यादातर मैसेजिंग के बारे में है। उपभोक्ता सेवा मंत्री के अनुसार, अगर हमने इस पर जुर्माना नहीं लगाया तो लोग कहेंगे कि आप इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। लेकिन यह सिर्फ कानून को मजाक में बदलने जैसा है। कानूनों का खुलेआम मजाक किया जाना कानून के शासन को ही नुकसान पहुंचाता है।

ये तीन पूरक दृष्टिकोण इस बात की ओर इशारा करते हैं कि एक सकारात्मक रैपिड एंटीजन परीक्षण की सूचना देने में विफल रहने वाले व्यक्ति पर 1,000 डॉलर का जुर्माना लगाना अपने आप में एक गलत विचार है। लोगों के लिए सही काम करना सुविधाजनक बनाना अच्छा है (यही सेवा एनएसडब्ल्यू ऐप करता है)। लोगों को सही काम करने के लिए प्रोत्साहित करना अच्छा है। यह वास्तव में अच्छा होगा यदि बहुत सारे आरएटी उपलब्ध हों (आदर्श रूप से मुफ्त या इसके करीब) ताकि लोगों के पास खुद को, अपने परिवार और अपने समुदायों को सशक्त बनाने और उनकी रक्षा करने के लिए जानकारी हो। यह इनमें से कुछ भी नहीं करता है इसलिए ऐसा नियम बनाना गलत है जो कानून का उपहास उड़ाए और जिससे फायदे की बजाय नुकसान होने की अधिक संभावना हो।

परीक्षण अमेरिका के जो बाइडन की नई पाबंदियों के जवाब में किया ये परीक्षण

उ. कोरिया का जनवरी में तीसरी बार मिसाइल का परीक्षण

एजेंसी ■ सियोल

दक्षिण कोरिया और जापान के अधिकारियों ने कहा कि उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को कम से कम एक बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है। इस महीने यह तीसरी बार है जब उत्तर कोरिया ने मिसाइल परीक्षण किया है। अमेरिका के जो बाइडन प्रशासन ने उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षणों के कारण उस पर नई पाबंदियां लगाई हैं और समझा जाता है कि यह परीक्षण उन्हीं पाबंदियों के जवाब में किया गया है।

दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने बताया कि मिसाइल पूर्व की दिशा मेंइदागी गई, हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि मिसाइल कहां जाकर गिरी। उन्होंने मिसाइल के बारे में विस्तार से कोई और जानकारी नहीं दी। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय और रक्षा मंत्रालय ने भी कहा कि उन्हें उत्तर कोरिया के इस परीक्षण का पता चला और वह निश्चित रूप से एक बैलिस्टिक मिसाइल है। जापान के तट रक्षक ने एक सुरक्षा परामर्श जारी करते हुए कहा कि एक वस्तु संभवतः गिरी थी। तट रक्षक ने कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के साथ-साथ पूर्व चीन सागर और उत्तर प्रशांत के बीच मौजूद जहाजों से आग्रह किया है कि वे आगे दी जाने वाली जानकारी पर नजर बनाए रखें। बाइडन प्रशासन ने बुधवार को उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण के जवाब में उसके मिसाइल कार्यक्रमों के लिए उपकरण और प्रौद्योगिकी प्राप्त करने में भूमिका को लेकर पांच उत्तर कोरियाई लोगों पर प्रतिबंध लगाया। बाइडन प्रशासन ने यह भी कहा कि वह संयुक्त राष्ट्र से नए प्रतिबंधों की मांग करेगा। इससे पहले उत्तर कोरिया ने मंगलवार को कहा था कि उसके नेता किम जोंग उन ने हाइपरसोनिक मिसाइल के सफल परीक्षण का अवलोकन किया और दावा किया कि इस परीक्षण से देश की परमाणु युद्ध से बचाव की क्षमता में इजाफा होगा। उत्तर कोरिया के आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के हवाले से कथित हाइपरसोनिक मिसाइल के परीक्षण को सही ठहराया और इसे आत्मरक्षार्थ अभ्यास बताया। मिसाइल दागे जाने के कुछ घंटे पहले उत्तर कोरिया ने एक बयान जारी कर इस महीने के पहले के मिसाइल परीक्षणों को लेकर बाइडन प्रशासन की तरफ से लगाई गईं नई पाबंदियों की निंदा की। उत्तर कोरिया ने आगाह किया कि अगर अमेरिका टकराव वाला रुख बरकरार रखता है तो वह और कदम उठाएगा।

एक नजर

कोरोना को लेकर हमारी सारी व्यवस्थाएं दुरुस्तः सीएम

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना की स्थिति को लेकर शुक्रवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कोरोना के मामले काफी तेजी से बढ़ रहे हैं, इसमें कोई दो-राय नहीं है। हम सब लोग जानते हैं कि ओमीक्रोन का संक्रमण बहुत ज्यादा है। यह बहुत ही तेजी से फैलने वाला वायरस है। दिल्ली में इस समय संक्रमण दर भी लगभग 29 फीसद के पार पहुंच गई है, लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है। अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या बहुत ज्यादा कम है और मौत भी बहुत कम है। इसलिए लोगों को चिंता करने और घबराने की कोई जरूरत नहीं है। दिल्ली सरकार की तरफ से सारी व्यवस्थाएं दुरुस्त हैं। अस्पतालों में बेड की कोई कमी नहीं है। आईसीयू बेड्स की भी कोई कमी नहीं है। हमें घबराना नहीं है, लेकिन जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करना है। हम कोरोना की स्थिति पर नजर रखे हुए हैं।

महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल ने यज्ञ का आयोजन किया

नई दिल्ली। राधा कृष्ण मंदिर राजगढ़ कॉलोनी में मकर संक्रान्ति के अवसर पर महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल ने यज्ञ का आयोजन किया। पंडित अशोक शुक्ला ने मंत्रो के माध्यम से देवी देवताओं का आह्वान किया। जिसमे बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियो ने भगवान शिव से महामारी को तुरंत समाप्त करने की प्रार्थना की। यज्ञ में सभी देवी देवताओ के नाम से आहुति दी गई। महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल ने सभी को मकर संक्रान्ति की बधाई देते हुए कहा हम सभी देवी देवताओं से प्रार्थना करते हैं हमारी गलतीओ को माफ करते हुए देश से करोना महामारी को समाप्त करे, उन्होंने प्रधानमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि आपके नेतृत्व में कोरोना की जल्दी वैक्सीन बनी जिसे पूरे देश में आपके द्वारा फ्री उपलब्ध करवाया गया।

निगम स्कूलों के पाठ्यक्रम में बाबा फतेह सिंह शहादत पर अध्याय शामिल करने की मांग

नई दिल्ली। एसडीएमसी स्कूलों के पाठ्यक्रम में बाबा जोरावर सिंह और गुरु गोबिंद सिंह साहिब के पुत्र बाबा फतेह सिंह छोटे साहबजादे की शहादत पर अध्याय शामिल किया जाए। यह उनकी शहादत की याद में एक बड़ी श्रद्धांजलि होगी। यह मांग दक्षिण दिल्ली नगर निगम के शिक्षा समिति अध्यक्ष कुमारी निकिता शर्मा ने एसडीएमसी के शिक्षा विभाग के निदेशक को पत्र लिखकर की। कुमारी निकिता शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुरु गोबिंद सिंह साहिब के प्रकाश पर्व का अवसर पर 10 वें सिख गुरु, गुरु गोबिंद सिंह के दो सबसे छोटे बेटों को श्रद्धांजलि देने के लिए वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई।

साजिश के तहत रोके गए देश के मेंटर कार्यक्रमः सिसोदिया

■ नई दिल्ली

कार्यक्रम की सफलता से घबरा गई है बीजेपी

दिल्ली सरकार के देश के मेंटर कार्यक्रम पर लगी रोक को साजिश करार देते हुए दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भाजपा शिक्षा की दुश्मन बताया है। शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस कर उन्होंने कहा कि भाजपा देश के मेंटर कार्यक्रम की सफलता से घबरा गई है और अपने ही कार्यकर्ता से शिकायत करा दिल्ली के सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले लाखों बच्चों का करियर संवारने वाले कार्यक्रम को बंद करा रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम को रोकने के लिए भाजपा ने बेहद हास्यास्पद आधार बनाया है। भाजपा का कहना है कि पहले स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का पुलिस वेरिफिकेशन करवाया जाए उसके बाद उन्हें करियर बनाने का टिप्स दें। उन्होंने कहा कि आईआईटी, आईआईएम जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में पढ़ने वाले युवा बच्चों के करियर को संवारने में मदद कर रहे हैं लेकिन भाजपा का मानना है कि इससे साइबर क्राइम और चाइल्ड ट्रैफिंग बढ़ेगा। दरअसल, भाजपा देश के युवाओं को अशिक्षित रख धर्म और जाति के झगड़ों में उलझाए रखना चाहती है। वो ना तो खुद शिक्षा पर काम करती है और ना ही केजरीवाल सरकार को करने दे रही है। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले गरीब परिवार के बच्चे अपने करियर के लिए पढ़े-लिखे युवाओं से गाइडेंस और मेंटरिंग पाकर कुछ बेहतर कर सके ये बात भाजपा के लिए असहनीय हो गई है। भाजपा इस बात से घबरा रही है कि देश में गरीब परिवारों के बच्चे अगर पढ़-लिख जाएंगे तो भाजपा के नफरत का प्रोपोगैंडा कौन चलाएगा, उन्हें धर्म-जाति के मुद्दों में कौन उलझाकर रखेगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नए-नए इनोवेशन को अपना रही है। देश के मेंटर भी ऐसा ही एक इनोवेटीव प्रोग्राम है जहां देश के वेल-एजुकेटेड युवा वॉलिंटियरिंग के माध्यम से सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले गरीब घरों के बच्चों को उनकी पढ़ाई व करियर के लिए मेंटरिंग करने का मौका दिया जाता है।

प्रोग्राम को बंद करने के लिए दिया गया वाहियात तर्क : उपमुख्यमंत्री

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि भाजपा का कहना है कि स्कूली बच्चों का पुलिस वेरिफिकेशन नहीं करवाया गया। और हद तो तब हो गई जब एनसीपीसीआर ने कहा कि इससे चाइल्ड ट्रैफिकिंग और साइबर क्राइम हो सकता है। इसका सीधा मतलब निकलता है कि यदि आईआईटी से निकला कोई युवा गरीब घर के बच्चों को ये समझने में गाइड करें कि वह आईआईटी में कैसे जा सकते है। तो भाजपा इस मदद को चाइल्ड ट्रैफिकिंग और साइबर क्राइम समझती है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा को जनता ने केंद्र और इतने राज्यों में मौका दिया लेकिन भाजपा से खुद तो कुछ होता नहीं है। और कोई दूसरी सरकार यदि कुछ करना चाहती है तो भाजपा साजिश कर इसे रोकने में लग जाती है।

अदालत ने नन मामले में कहा

पीड़िता के बयानों को लेकर विश्वसनीयता पर उठे सवाल

एजेंसी ■ कोच्ची (केरल)

रोमन कैथोलिक बिशप फ्रैंको मुलक्कल को केरल के एक कान्वेंट में एक नन से बलात्कार के आरोपों से बरी करने वाली अदालत ने पीड़िता के बारे में कहा है कि विभिन्न समय पर अलग-अलग लोगों के समक्ष अलग-अलग बयान ने उसकी (नन की) विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए हैं। मुलक्कल को बरी करते हुए, कोट्टायम के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश-प्रथम,गोपाकुमार जी. ने घटना के बारे में पीड़िता के बयानों में एकरूपता नहीं होने और अभियोजन के मामले को साबित करने के लिए ठोस साक्ष्य के अभाव सहित विभिन्न कारणों का जिक्र किया। न्यायाधीश ने 289 पन्नों के अपने फैसले में कहा कि पीड़िता का यह दावा कि उसके साथ 13 बार बलात्कार हुआ, इस पर उसकी एकमात्र गवाही के आधार पर यकीन नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि अभियोजन पीड़िता, एक गवाह और अन्य का मोबाइल फोन अदालत के समक्ष पेश करने में नाकाम रहा, जबकि पूरा मामला आरोपी द्वारा पीड़िता को मोबाइल फोन पर भेजे गए कुछ अश्लील संदेशों के आधार पर बनाया गया था।

अदालत ने कहा, कान्वेंट में उन्हें (बिशप को) टिके नहीं रहने देने के उसके (नन के) रुख के जवाब में आरोपी द्वारा कथित तौर पर पीड़िता को भेजे गए संदेश दोनों के बीच संबंध की प्रकृति को दर्शाते हैं। अदालत ने कहा कि आरोपी द्वारा नन को भेजे गए संदेश से किसी धमकी या भयादोहन का पता नहीं चलता है।

न्यायाधीश ने अपने फैसले में कहा, पीड़िता द्वारा धारा 164 के दिए गए बयान के अनुसार आरोपी ने यह संदेश भेजा था कि, तहे दिल से मैं तुम्हारे फैसले के साथ हूं। मैं तुमसे मिलना चाहता हूं, मुझे तुम्हारी जरूरत है, मुझे फोन करो। इन संदेशों से किसी धमकी, भयादोहन या बल प्रयोग का खुलासा नहीं होता है। अदालत ने यह भी कहा कि आरोपी द्वारा अदालत में सौंपी गई कई तस्वीरों और वीडियो से यह प्रदर्शित होता है कि कथित यौन उत्पीड़न के बाद पीड़िता के आरोपी से करीबी संपर्क थे। फैसले में कहा गया है कि दस्तावेजों से यह प्रदर्शित होता है कि पीड़िता ने आरोपी की कार में उसके साथ लंबी दूरी की यात्रा की थी और लगभग सभी दिन कई कार्यक्रमों में शरीक हुई थी, कथित यौन हिंसा के कुछ दिनों बाद भी। अदालत ने कहा, विभिन्न समय पर अलग-अलग लोगों के समक्ष अलग-अलग बयान, उसकी विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करते हैं।

दिल्ली में 31 फीसद के करीब पहुंची कोरोना संक्रमण दर

■ नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना के एक्टिव केस जरूर घट रहे हैं, लेकिन संक्रमण दर में कोई ज्यादा गिरावट दर्ज नहीं है। शुक्रवार को संक्रमण दर 31 फीसद के करीब दर्ज की गई। वहीं मौत का आंकड़ा 30 के पार है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार शुक्रवार को कोरोना के 24383 नए मामले सामने आए। वहीं 26236 मरीजों को छुट्टी दी गई, जबकि 34 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में अभी तक 1670966 लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 1553388 मरीज ठीक हो गए हैं। वहीं 25305 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना से मृत्यु दर घट कर 1.51 फीसद हो गई है। दिल्ली में ठीक होने वाले मरीजों की संख्या में आई तेजी के बाद एक्टिव केस की संख्या घटकर 92273 हो गए हैं। इनमें से होम आइसोलेशन में 64831, कोविड केयर सेंटर में 601, कोविड हेल्थ सेंटर में 12 और दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों में 2446 मरीज भर्ती हैं। दिल्ली के अस्पतालों में 2529 मरीज भर्ती हैं। जिनमे में कोविड लक्षण के साथ 83 और कोविड पॉजिटिव 2446 मरीज भर्ती हैं। इनमें से आईसीयू में 671 मरीज, ऑक्सीजन सपोर्ट पर 815 मरीज, वेंटीलेटर पर 99 मरीज भर्ती हैं। दिल्ली के अस्पतालों में भर्ती 2128 मरीज दिल्ली के और 318 मरीज दिल्ली के बाहर से हैं। दिल्ली में कोरोना की जांच के लिए गुरुवार को 79578 टेस्ट हुए जिसमें 30.64 फीसदी मरीज संक्रमित पाए गए। इनमें आरटीपीसीआर से 64183 और रैपिड एन्टीज से 15395 टेस्ट हुए।

विदेशमंत्री जयशंकर ने श्रीलंका के वित्तमंत्री के साथ ऑनलाइन बैठक की

■ नई दिल्ली

विदेशमंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को श्रीलंका के वित्तमंत्री बासिल राजपक्षे से एक बैठक के दौरान भारत की परियोजनाओं और निवेश योजनाओं पर चर्चा की जो द्वीपीय देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगी। साथ ही हिरासत में लिए गए भारतीय मछुआरों को मानवीय आधार पर जल्द रिहा करने की मांग की। बैठक के बाद विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक जयशंकर ने अवगत कराया कि भारत, हमेशा श्रीलंका के साथ खड़ा रहेगा और कोविड-19 महामारी की वजह से उत्पन्न आर्थिक और अन्य चुनौतियों से निकलने में श्रीलंका की हर संभव मदद करेगा। बयान के मुताबिक ऑनलाइन बैठक के दौरान विदेश मंत्री ने बताया कि करीबी मित्र और समुद्री पड़ोसी होने के नाते भारत और श्रीलका आर्थिक संबंध विस्तार के लिए साथ खड़े रहेंगे। बैठक के दौरान राजपक्षे ने भारत की श्रीलंका के साथ लंबे समय से चल रही साझेदारी को याद किया और भारत के समर्थन की प्रशंसा की। साथ ही बंदरगाह, अवंसरचना, ऊर्जा, नवीनीकरण ऊर्जा, उत्पादन सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय निवेश का स्वागत किया। जयशंकर ने विस्तृत ऑनलाइन बैठक के दौरान श्रीलंका में भारतीय मछुआरों की हिरासत के मुद्दे को उठाया और मानवीय आधार पर उन्हें जल्द रिहा करने का आह्वान किया। विदेश मंत्री ने श्रीलंका की हिरासत में मौजूद भारतीय मछुआरों का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने श्रीलंका की सरकार से अह्वान किया कि वह मानवीय आधार पर हिरासत में लिए गए मछुआरों की जल्द रिहाई सुनिश्चित करें।

टाटा पावर-डीडीएल ने 1606 मेगावाट सीज़न की पीक पावर डिमांड दर्ज की

नई दिल्ली। टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन (टाटा पावर-डीडीएल), राष्ट्रीय राजधानी में 70 लाख की आबादी को बिजली आपूर्ति करने वाली एक प्रमुख वितरण कंपनी ने बिना किसी नेटवर्क बाधा और बिजली आउटेज के 1606 मेगावाट की रिकॉर्ड पीक बिजली की मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया, दिल्ली में चल रही शीत लेहेर के बीच। कंपनी ने अधिशेष व्यवस्था की है और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। कंपनी का अनुमान है कि इस सीज़न के दौरान पीक डिमांड 1700 मेगावॉट के स्तर तक रहेगी। टाटा पावर-डीडीएल अपने सभी उपभोक्ताओं और आवश्यक सेवाओं के 24 घंटे बिजली की सप्लाई देने और लोगों तक राहत पहुंचाने के अपने ऐक्शन प्लान के साथ पूरी तरह तैयार है।

- इस सीज़न की पीक पावर डिमांड शुक्रवार, 14 जनवरी 2022 को दर्ज की गई
- कोरोना वायरस महामारी के बीच उपभोक्ता सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था और पहल

संक्रमितों के घर से बायोमेडिकल कूड़ा उठाने के लिए सभी वार्ड में ऑटो टिप्पर तैनात

■ नई दिल्ली

दक्षिणी निगम ने कोरोना संक्रमितों के घर से बायोमेडिकल कूड़ा उठाने के लिए प्रत्येक वार्ड में ऑटो टिप्पर तैनात किए हैं जो संक्रमितों के घर से बायोमेडिकल वेस्ट इकठ्ठा करके ओखला स्थित वेस्ट टू एनर्जी प्लांट में निस्तारित किया जाएगा। 1 जनवरी से 13 जनवरी तक दक्षिणी निगम ने अपने सभी चारों क्षेत्रों से लगभग 750 किलोग्राम बायोमेडिकल कूड़ा उठा कर ओखला स्थित वेस्ट टू एनर्जी प्लांट में निस्तारित किया है। यह जानकारी दक्षिणी निगम के महापौर मुकेश सुर्यान ने दी। उन्होंने बताया कि कोरोना संक्रमितों को बायोमेडिकल कूड़े का निस्तारण करने में किसी भी प्रकार की परेशानी न उठानी पड़े इसके लिए दक्षिणी निगम ने सभी क्षेत्रों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं तथा हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं जिन पर फोन करके नागरिक अपना कूड़ा उठवा सकते हैं। मुकेश सुर्यान ने दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के नागरिकों से अपील की है कि कोरोना संक्रमित व्यक्ति अपने घर का कूड़ा सामान्य कूड़े के साथ निस्तारित ना करें ऐसा करने से संक्रमण और अधिक फैल जाएगा। निगम ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि कोरोना संक्रमित व्यक्ति हेल्पलाइन पर फोन करके अपने घर का कूड़ा इस कार्य के लिए लगाए ऑटो टिप्परों में डालें जिसे निगम सही तरीके से निस्तारित करेगा।

दिल्ली में बढ़ते कोरोना केस चिंताजनक सीएम चुनाव प्रचार में लीनः गुप्ता

■ नई दिल्ली

- गुप्ता ने कहा कि आज दिल्ली में लगभग चीजों पर पाबंदी है। बाजार, स्कूल, कॉलेज और निजी कार्यालय एवं संस्थान सब बन्द हैं।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में जिस तरह से कोरोना केस बढ़ रहे हैं वह बेहद ही चिंताजनक है। लेकिन दिल्ली की केजरीवाल सरकार द्वारा सिर्फ यह सोचकर कि यह बढ़ता कोरोना वायरस ज्यादा खतरनाक नहीं है, हाथों पर हाथ रखकर बैठ जाना अपनी जिम्मेदारी से पीछा छुड़ाना है। उन्होंने कहा कि नए कोरोना के वैरिएंट प्राणघातक नहीं है लेकिन, खुद दिल्ली सरकार इस बात को मानती है कि इस महीना कोरोना अपने पिक पर होगा। तो कोरोना से निपटने के लिए सरकार ने बातों के अलावा जमीन पर क्या कुछ काम किया है इस पर स्पष्टीकरण दें और यह बेहद जरूरी है कि कोरोना के इलाज में सभी मूलभूत जरूरतों का एक बार निरक्षण किया जाए। गुप्ता ने कहा कि पिछले 24 घण्टों में कोरोना का आंकड़ा लगातार बढ़ता हुआ लगभग 29 हजार पहुंच चुका है, लेकिन दिल्ली के अरविंद केजरीवाल जो खुद कोरोना पॉजिटिव थे, पंजाब में जाकर घर-घर अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि नए कोरोना के वैरिएंट से सबसे ज्यादा बच्चे संक्रमित हो रहे हैं, जबकि दिल्ली की केजरीवाल सरकार द्वारा खोले गए मोहल्ला क्लीनिक में बच्चों के इलाज के दौरान उन्हें जहर दिया जा रहा है और वह बच्चों के लिए मौत का क्लीनिक बन चुका है। गुप्ता ने कहा कि आज दिल्ली में लगभग चीजों पर पाबंदी है। बाजार, स्कूल, कॉलेज और निजी कार्यालय एवं संस्थान सब बन्द हैं। यहां तक की रोज की जरूरत के लिए खुलने वाली दुकानों में भी ऑड-इवन लागू किया गया है। जबकि उसपर भी सरकार ने अपनी नीति स्पष्ट नहीं की है। क्योंकि ऑड इवन लागू होने के बावजूद बाजारों में भीड़ कम नहीं हो रही। उन्होंने केजरीवाल सरकार से सवाल किया कि जिस तरह से कोरोना अपना पैर प्रदेश में पसार रहा है तो आखिर किस मजबूरी में अभी तक शराब की दुकानों को बंद नहीं किया गया है। जबकि अगर इस वक्त कही सबसे ज्यादा भीड़ हो रही है तो वो शराब के ठेके में हैं।

चालान *चांदनी चौक रोड पर प्रतिबंध के बावजूद शुक्रवार को आ रही गाड़ियों का चालान करते हुए ट्रैफिक पुलिस कर्मी*

कोरोना 13 हजार से ज्यादा बेड अभी भी खाली

दिल्ली के अस्पतालों में भर्ती दर की रफ्तार पड़ी धीमी: जैन

■ नई दिल्ली

दिल्ली में तेजी से बढ़ रहे कोरोना के मामलों के बावजूद अस्पतालों में मरीजों की भर्ती दर कम है, और इस भर्ती दर की रफ्तार अब धीमी पड़ी है। यह कहना है दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन का। शुक्रवार को उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से रोजाना नए मामले आने के बावजूद भी अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या फिलहाल स्थिर है। यही वजह है कि दिल्ली में कुल 85 फीसद बेड खाली है। लगभग 13 हजार से ज्यादा बेड अभी भी खाली है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि दिल्ली में कोरोना के कारण हुई मौत में 75 फीसद आंकड़ा उनका है, जिन्होंने वैक्सीन नहीं लगवाई थी। आंकड़ों से पता चला है कि 90 फीसदी मौतें ऐसे लोगों की है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित थे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अस्पताल में पर्याप्त संख्या में बिस्तर उपलब्ध हैं और स्थिति फ़िलहाल नियंत्रण में है। किसी को घबराने की जरूरत नहीं है। कोरोना को रोकने का सबसे अच्छा तरीका है कि हर समय मास्क पहनें और हर समय कोविड संबंधी सभी प्रोटोकॉल का पालन करें। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार द्वारा सभी सावधानियां बरती जा रही हैं ताकि संक्रमण की रफ्तार दिल्ली में धीमी पड़ सके। सरकार का जनता से अनुरोध है कि जिस तरह स्वास्थ्य विभाग और हेल्थ वर्कर्स फ्रंट लाइन पर प्रयास कर रहे है उसी ऊर्जा से लोग भी मास्क लगा कर रखें। हाथों को हैंड सैनिटाइजर से साफ करे और सोशल डिस्टेंसिंग का नियम अनुसार पालन करे। दिल्ली में केजरीवाल सरकार ने वैक्सीन लगने के अभियान को बहुत तेज कर रखा है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग मजबूत इम्यूनिटी के साथ वायरस के विरुद्ध लड़ सके। उन्होंने बताया कि केवल सावधानी ही इसका असल बचाव है। उन्होंने लोगों से सार्वजनिक जगहों पर जाते वक्त सुरक्षा के लिए मास्क पहनने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने का निवेदन किया। उन्होंने प्रदेशवासियों को प्रेस के माध्यम से कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है। वायरस को फैलने से रोकने का एक ही तरीका है कि जब आप अपने घर से बाहर जा रहे हों तो हमेशा मास्क पहनें और हर समय कोविड से संबंधित सभी प्रोटोकॉल का पालन करें।

चिंतन

टेस्ट में सीरीज हार का मंथन करे टीम इंडिया

भारतीय क्रिकेट में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। बीसीसीआई प्रमुख सौरभ गांगुली और टेस्ट टीम के कप्तान विराट कोहली के बीच वाकयुद्ध का टीम के प्रदर्शन पर असर पड़ता दिख रहा है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज में 2-1 से विराट सेना की हार कई सवाल खड़े करती है। यूं तो किसी भी खेल में हार-जीत सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन इस वक्त आईसीसी रैंकिंग में टेस्ट की नंबर वन टीम भारत का छठी रैंकिंग पर काबिज टीम दक्षिण अफ्रीका से हारना खेल से लेकर पद के पीछे के प्रबंधन तक में तालमेल में कमियों को उजागर करता है। वन डे की कप्तानी को लेकर विराट कोहली को अपने स्टारडम का इस्तमोल अपनी नाखुशी जाहिर करने में नहीं करना चाहिए था और न ही बीसीसीआई प्रमुख सौरभ गांगुली को कप्तानी विवाद को बोर्ड से बाहर आने देना चाहिए था। बोर्ड ने विराट को हटाकर रोहित शर्मा को वनडे की कप्तानी सौंपी थी। टी-20 की कप्तानी विराट पहले ही छोड़ चुके हैं। सीरीज शुरू होने से पहले रोहित और विराट को लेकर अनबन की खबरें भी सामने आईं। हर कप्तान का एक स्वर्णिम दौर होता है और फिर उन्हें उतार का सामना भी करना होता है। अजहरुद्दीन, सौरभ गांगुली व महेंद्र सिंह धोनी के बाद विराट कोहली भारत के सफलतम कप्तानों में से एक हैं। अच्छा कप्तान वही है, जिसमें हर हाल में जीत का जज्बा होता है। दक्षिण अफ्रीका के दौरे से ठीक पहले सौरभ-विराट के बीच का शीतयुद्ध सार्वजनिक नहीं होना चाहिए था। दोनों ही अनुभवी महारथी हैं, वे पद के पीछे अपने मतभेदों को दूर कर सकते थे। टीम इंडिया को इस बार दक्षिण अफ्रीका में सीरीज जीतने के लिए फेवरेट माना जा रहा था। सेंचुरियन टेस्ट जीतकर टीम ने इस बात को सही साबित भी किया, लेकिन इसके बाद जोहान्सबर्ग और केपटाउन में हार के चलते टीम सीरीज पर कब्जा नहीं जमा सकी। 1992 में भारत ने पहली बार अफ्रीका का दौरा किया था और अभी तक 29 सालों में वहां एक बार भी टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाया है। लगा कि भारतीय टीम जीत के लिए खेल ही नहीं रही थी। स्टार बल्लेबाजों ने खासा निराश किया। कप्तान विराट कोहली ने भी माना है कि कमजोर बल्लेबाजी के चलते भारत सीरीज हारा है। हार के कई कारण दिख रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से पहले विराट कोहली पीठ में अकड़न की वजह से टीम से बाहर हो गए। उनकी जगह केएल राहुल को कप्तान बनाया गया। पूरे मैच में राहुल की कप्तानी अच्छी नहीं रही। इसमें भारत को हार मिली थी। पूरी सीरीज में टीम इंडिया का मिडिल ऑर्डर पूरी तरह से फ्लॉप रहा। अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे ने टीम इंडिया को निराश किया। रहाणे ने तीन टेस्ट मैच में 136 रन तो पुजारा ने 124 रन बनाए। दोनों खिलाड़ी फ्लॉप होते गए, लेकिन फिर भी उन्हें विश्राम नहीं दिया गया। न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने डेब्यू टेस्ट में शतक जड़ने वाले श्रेयस अय्यर तीनों टेस्ट से बाहर रहे। दूसरे टेस्ट में बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करने वाले हनुमा विहारी को तीसरे टेस्ट से बाहर कर दिया गया। सलामी बल्लेबाज केएल राहुल और मयंक अग्रवाल आखिरी दोनों टेस्ट में बड़ी पारी नहीं खेल पाए। सलामी बल्लेबाजों के फेल होने से टीम को नुकसान उठाना पड़ा। इसके अलावा हमारे गेंदबाज ज्यादा बाउंस नहीं दिला पाए। साउथ अफ्रीका की टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ सालों से अच्छा नहीं रहा है। सीरीज शुरू होने से पहले कागजों पर हम साउथ अफ्रीका से बेहतर नजर आ रहे थे। टीम इंडिया ने शायद दक्षिण अफ्रीका को कमतर आंका। भारतीय क्रिकेट को सीरीज हार का गंभीरता से मंथन करना चाहिए।

हालात
श्रवण गर्ग

लोग खुद को बचाएं या कांग्रेस

> इंदिरा गांधी के जमाने में उनके नेतृत्व को पार्टी के ही कई बड़े दिग्गजों द्वारा चुनौती दी गई, कांग्रेस को विभाजित करने की कोशिशें की गई पर वे अविचलित रहीं। एक बड़ा फ़र्क़ यह ज़रूर था कि कांग्रेस की अंदरूनी तोड़फोड़ में कोई बाहरी हाथ नहीं हुआ करता था। वाजपेयी और आडवाणी जैसे सौम्य नेता विपक्ष में हुआ करते थे। चंद्रशेखर, मोहन धारिया, कृष्णकांत, लक्ष्मी कांतम्मा जैसे कांग्रेस में बने रहकर ही आंतरिक प्रजातंत्र की लड़ाई लड़ते रहे, कभी अलग पार्टी नहीं बनाई। नागरिकों के सामने संकट है कि अधिनायकवादी ताकतों से निपटने के लिए उनके पास समय कम है। उन्हें ही तय करना है कि वे अपने आपको बचाएं या फिर कांग्रेस को।

जब कांग्रेस कठिन राजनीतिक चुनौतियों के दौर से गुज़र रही है, लोग जानना चाह रहे हैं कि कई अपेक्षित-अनपेक्षित तूफ़ानों को मुस्कुराते निपटा देने वाली इंदिरा गांधी अगर आज जीवित होतीं तो पार्टी के मौजूदा हालात में ऐसा क्या करतीं जो उनकी बहू सोनिया गांधी नहीं कर पा रहीं हैं? ताज़ा संकट पंजाब में प्रकट हुआ है। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख और मुख्यमंत्री पद के पुराने दावेदार नवजोत सिंह सिद्धू ने अब पार्टी प्रमुख सोनिया गांधी को चुनौती दे दी है। पंजाब में अभी चुनाव हुए नहीं हैं, और महत्वाकांक्षी सिद्धू ताली ठोककर ऐलान कर दिया है कि मुख्यमंत्री पद का फ़ैसला पार्टी आलाकमान नहीं बल्कि राज्य की जनता करेगी। यानी अगर राज्य में कांग्रेस को बहुमत मिल जाता है तो वे और उनके समर्थक ही सब कुछ तय करेंगे।

इंदिरा गांधी के जमाने में उनके नेतृत्व को पार्टी के ही कई बड़े दिग्गजों द्वारा चुनौतियां दी गईं, नई-नई पार्टियां बनाई गईं। कांग्रेस को विभाजित करने की कोशिशें की गईं, पर वे अविचलित रहीं। एक बड़ा फर्क अब के मुक़ाबले तब में यह ज़रूर था कि कांग्रेस की अंदरूनी तोड़फोड़ में कोई बाहरी हाथ नहीं हुआ करता था। अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी, आदि जैसे सौम्य नेता विपक्ष में हुआ करते थे। चंद्रशेखर, मोहन धारिया, कृष्णकांत, लक्ष्मी कांतम्मा जैसे कांग्रेस में रहकर ही आंतरिक प्रजातंत्र की लड़ाई लड़ते रहे, कभी अलग पार्टी नहीं बनाई। लगातार निरंकुश होते जा रहे सत्ता प्रतिष्ठान के खिलाफ लड़ाई के लिए जिस समय देश में एक राष्ट्रीय दल के रूप में कांग्रेस की सबसे ज्यादा जरूरत महसूस की जा रही है, हाल ही में अपनी 137वीं वर्षगांठ मनाने वाली उसी कांग्रेस के 'पारिवारिक' किरायेदार-कर्णधार उतनी ही ताक़त से जनता को निराश कर रहे हैं। स्वतंत्रता संग्राम के समय के इस अग्रणी दल में नेतृत्व के खिलाफ जितने विद्रोह पिछले साढ़े छह दशकों में नहीं हुए होंगे, हाल के सवा दो दशकों में हो गए। एक के बाद एक राज्य और एक के बाद एक नेता और कार्यकर्ता पार्टी नेतृत्व के खिलाफ खुले आम बगावत कर रहा है।

साल 1974 की एक घटना का स्मरण है। तब मैं पटना में रहते हुए जेपी के काम में सहयोग कर रहा था। एक दिन चंद्रशेखर जेपी से मिलने उनके कदम कुआं स्थित निवास पर आए। उनकी बातचीत के बीच मैं भी (केवल बातचीत सुनने वाले की तरह से) दूर बैठा उपस्थित था। तमाम इतर बातों के बीच चंद्रशेखर ने जेपी से कहा कि इंदिरा के कारण पार्टी में उनके जैसे लोगों का काम करना मुश्किल हो रहा है। उनका आशय जेपी से कांग्रेस छोड़ने की अनुमति प्राप्त करने से था। सार में यह कि जेपी ने सलाह दी कि वे पार्टी में रहते हुए ही आंतरिक लोकतंत्र के लिए अपनी लड़ाई जारी रखें और चंद्रशेखर लोकनायक का कहा मान भी गए। आज न तो इंदिरा गांधी हैं और न जयप्रकाश नारायण। ग़ुलाम नबी आज़ाद ने पिछले दिनों जम्मू में अपने तूफ़ानी दौरे के समय इस संभावना से इनकार नहीं किया कि वे एक नई पार्टी बना

सकते हैं। ग़ुलाम नबी की पार्टी फिर जम्मू-कश्मीर में भाजपा के साथ सीटों का समझौता कर लेगी। अमरिंदर सिंह ने अपनी नई पार्टी बना ही चुके हैं और भाजपा के साथ सीटों का बंटवारा करके चुनाव भी लड़ने जा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी में हाल के दिनों की विद्रोह की घटना उत्तराखंड में हरीश रावत जैसे विश्वसनीय नेता की थी जिसे समझा-बुझाकर बग़ैर ज़्यादा नुक़सान झेले हाल-फ़िलहाल के लिए शांत कर दिया गया। ज्योतिरादित्य सिंधिया और जितिन प्रसाद की उमर वाले भाजपा (और तृणमूल भी) में भर्ती हो रहे हैं और बूढ़े महत्वाकांक्षी नई पार्टियां (कांग्रेस) बना रहे हैं। भाजपा और तृणमूल दोनों ने ही अपने दरवाज़े सबके लिए खोल रखे हैं।

कुछ ऐसा चमत्कार रहा कि कांग्रेस के सामने अपनी स्थापना के बाद से विभाजित हो जाने, टूटकर बिखर जाने के कई अवसर आए पर पार्टी बनी रही। अपनी तमाम पुरानी चीज़ों के साथ चिपके रहने वाले भारतीयों ने हर बार पार्टी को इतिहास के कबाड़ख़ाने में डालने से इनकार कर दिया। गोडसे द्वारा धोखे से मार दिए जाने से ठीक एक दिन पहले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने एक ड्राफ़्ट तैयार करके कांग्रेस को लोक सेवक संघ में परिवर्तित कर देश के लाखों गांवों की आर्थिक-सामाजिक आज़ादी के काम में जुटने की सलाह दी थी। गांधीजी का मानना था कि देश को अंग्रेज़ों से स्वतंत्रता प्राप्त कराने के साथ ही कांग्रेस की स्थापना का उद्देश्य पूरा हो गया है। राजनीतिक दल के रूप में उसकी ज़रूरत समाप्त हो ग[ई] है। गांधी की हत्या हो जाने के कारण कांग्रेस को लेक[र] उनकी आख़िरी मंशा तत्काल सार्वजनिक नहीं हो सक[ी] थी। अगर हो जाती तो मुमकिन है गोडसे का इरादा बदल जाता। बाद में नेहरू ने गांधीजी की मंशा पूरी करने में रुचि नहीं दिखाई। महात्मा गांधी की इच्छा के विपरीत कांग्रेस पार्टी मनीप्लांट की शाखाओं की तरह अपने मूल से टूट-टूटकर अलग-अलग नामों से फैलती रही पर नष्ट नहीं हो पाई। शायद ठीक ही हुआ होगा!

कांग्रेस को समाप्त होने से बचाए रखना ज़रूरी है। एक बिजूके की शक्ल में ही सही, इसलिए नहीं कि ऐसा करना गांधी-नेहरू परिवार को देश की उसकी सेवाओं के बदले भुगतान के लिए ज़रूरी है बल्कि इसलिए कि केसरिया परिधानों के बीच खादी के कुछ सफ़ेद कुर्ते-पायजामे भी नज़र आते रहेंगे तो दुनिया को दिखाने के लिए रहेगा कि खादी भंडारों के अलावा भी गांधी के जमाने का कुछ भारत में अभी बचा हुआ है और टूटी-फूटी हालत में लोकतंत्र भी जीवित है। यह एक विचित्र स्थिति है कि सर्वथा अलग-अलग कारणों से कांग्रेस की ज़रूरत चाहे देश के 106 करोड़ हिंदुओं में कम बची हो और इक्कीस करोड़ मुसलमानों का भी उस पर से यक़ीन फिर गया हो फिर भी उसे समाप्त करने के षड्यंत्रों के खिलाफ दोनों ही समुदायों का एक बड़ा वर्ग चिंतित है। कांग्रेस संगठन पर अपने एकाधिकार को बनाए रखने के गांधी-नेहरू परिवार के अहंकार के पीछे नागरिकों की इस कमजोरी को भी एक बड़े कारण के तौर पर गिनाया जा सकता है।

सोनिया गांधी और उनके परिवार ने हाड़-मांस के उन पुतलों के लिए संकट उत्पन्न कर दिया है जो न अंधभक्त हिंदू हैं, न कट्टर मुस्लिम, सिख या ईसाई। केवल नागरिक हैं और बिना किसी कबीलाई पहचानों के नागरिक ही बने रहना चाहते हैं। इन नागरिकों को यह जानकारी नहीं है कि कांग्रेस अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए इस समय क्या कर रही है। नागरिकों की चिंता 'परिवार' नहीं भारत है। भारत को बनाए रखने के संबंध में कांग्रेस पार्टी की ज़रूरत उनके लिए नागरिक अपने दादा-दादियों के द्वारा आज़माई जा चुकी किसी एक ड्राफ़्ट घुट्टी के नुस्खे की तरह आश्वस्त हैं। नागरिकों के सामने संकट यह है कि अधिनायकवादी ताकतों से निपटने के

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

सारा संसार

तमिलनाडु के तिरुवरूर जिले में स्थित अलंगुडी एक बेहद सुन्दर और दर्शनीय गांव है। यह मन्नरगुडी के पास स्थित कुम्भकोणम से लगभग 17 किमी दूर है। अलंगुडी से सबसे नजदीकी शहर कुम्भकोणम है। यहाँ पर नवग्रह मंदिर स्थित है, जो की ज्यूपिटर (बृहस्पति और गुरु) गृह को समर्पित है। अलंगुडी अबाथसहायेश्वरर मंदिर के लिए प्रसिद्ध है।

सृष्टिकर्ता नहीं करता भेदभाव

संकलित
दर्शन

एक गांव में महात्मा बुद्ध गए। वहां सुमीत नामक शूद्र मिला। सुमीत ने कहा, आप गाँव में प्रवेश कीजिये बहुत सारे लोग आपको भिक्षा देने के लिए आतुर हैं। बुद्ध ने सुमीत को अपने पास बुलाया और आशीर्वाद देने लगे, सुमित पीछे हट गया। हे भगवान् आप मुझे छूकर अपने आपको अपवित्र और दूषित न करें। महात्मा बुद्ध ने कहा, तुम अपने आपको दूषित क्यों कहते हों? स्पर्श से कभी कोई भी दूषित नहीं होता हैं। मनुष्य तो लोभ, लालच, घृणा, इर्ष्या से दूषित होता हैं। तुम्हारे अन्दर तो प्रेम भरा हैं, तुम दूसरों का सुख चाहते हो। तुम तो पवित्र हो। बुद्ध के बोल सुनकर कुछ लोग बोले, तुम तो अपने आपको बड़े ज्ञानी कहते हो तुमको जाति का कोई ज्ञान ही नहीं हैं, तुम पाखंडी हो। बुद्ध ने कहा मानव से मानव की मानवता छिनना पाखंडी की निशानी हैं। मुझे पाखंडी बोलकर यदि आपको संतोष मिलता हैं तो मेरे लिए दुख का कोई विषय नहीं हैं। कुछ लोग बुद्ध पर बरस पड़े, परन्तु यह तो धर्म शास्त्र हैं, फिर यह पाखंड कैसे हुआ। बुद्ध ने कहा हमारी उत्पति इस सृष्टी में हुई हैं, नदियों का पानी सभी की समान रूप से प्यास बुझाता हैं, खुले जंगलो की हवा भी भेदभाव नहीं करती हैं, खुला आसमान हमारे पिता के समान हमारी परवरिश करता हैं। सृष्टिकर्ता ने भी कोई भेदभाव नहीं किया हैं फिर हम इंसान कौन होते हैं भेदभाव करने वाले।

लोभ का विष सिर चढ़ कर बोलता

संकलित
प्रेरणा

कालू और मालू भाई थे। एक दिन कालू को सांप की मणि मिल गई। उसने सोचा, अगर इस मणि का पता मालू को चल गया तो वह जरूर इसे मुझसे छीन लेगा। यह सोचकर उसने मणि को एक संदूक में छुपा दिया। रात हुई तो संदूक में से रोशनी की किरणें फूटने लगीं। मालू डर गया। वह कालू को जगाकर बोला, भैय्या देखो तो संदूक में से रोशनी निकल रही है, वहां कोई भूत तो नहीं है?" इसके बाद वह डर के मारे कमरे से बाहर निकल गया। उसके जाने के बाद कालू सोचने लगा 'चलो, अच्छा हुआ, जो इसने इस संदूक में भूत समझा वरना यह मणि चुरा लेता। रात हुई। कालू गहरी नींद में सो रहा था कि अचानक उसके कानों में फुकार की आवाज आई। वह जल्दी से उठा। उसने डंडा उठाया और संदूक की तरफ बढ़ा। वहां बैठे नाग को देखकर वह सहम गया। कालू ने उसे मारने के लिए डंडा उठाया। लेकिन यह क्या, वह नाग मनुष्यों की भाषा में बोलने लगा, हम तुम्हारा क्या बिगाड़ते हैं? हम तुम्हारे मित्र हैं। तुम्हारी फसल की रक्षा करते हैं। फिर भी तुम हमें सताते हो। हमें मारकर तुम वीर बनते हो। मणि हमारा जीवन है, इसे चुराकर तुम धनवान और भाग्यवान बनना चाहते हो। किसी के भाग्य को छीनकर कोई भाग्यवान् नहीं बन सकता है। मुझे मेरी मणि वापस कर दो। कालू नाग को मारने के लिए आगे बढ़ा। इससे पहले कि कालू वार करता नाग ने अपना काम कर दिया। नाग के विष ने कालू की जान ले ली।

व्यंग्य
पूरन सरमा

सरस्वती सभा में

सुबह का अखबार पढ़कर कजोड़मल खुशी से उछल पड़े। उनका नाम प्रदेश साहित्य अकादमी की सरस्वती सभा में सम्मिलित किया गया था। लपककर वे रसाईघर में चाय बना रही पत्नी के पास जाकर बोले अरी भागवान मुझे बधाई दो। मैं अकादमी की सरस्वती सभा का मेंबर बन गया हूं। पत्नी ने पतीली में उबल रही चाय को फूंक मारकर कहा लेकिन यह सरस्वती सभा होती क्या है? कजोड़मल गर्व से बोले सरस्वती सभा विद्वानों की सभा होती है। इसमें राज्य के मूर्धन्य विद्वानों का मनोनयन होता है और वे अकादमी को चलाते हैं। पत्नी ने कहा विद्वानों की सभा में आपका नाम कैसे आ गया? कजोड़मलजी बोले देख लो चालीस साल पहले लिखा करता था। उसी साहित्य सेवा का प्रतिफल है कि अध्यक्ष ने मेरे नाम का चयन किया है। भाई अब तो अध्यक्ष नागरमलजी का आभार प्रकट करने जाना ही होगा। कोई गिफ्ट-मिठाई भी ले जाऊंगा, खाली हाथ जाऊंगा तो नागरमलजी को अच्छा नहीं लगेगा। पत्नी बोली कभी घर में भी मिठाई लाया करो। रसोईघर से बाहर निकलकर कजोड़मल ने शेव बनाई और नया कुर्ता-पाजामा पहनकर नागरमल के निवास की ओर चल दिए। घर पहुंचे तो वहां पहले से ही आठ-दस लोग जमा थे। नागरमल कजोड़मल को देखकर बोले आइए...आइए...कजोड़जी। अच्छे मौके पर आए हो। अरे भाई यह मिठाई की क्या आवश्यकता थी। मुझे तो वैसे ही शुगर है। लो इनसे मिलो, ये सभी अभी बनी सरस्वती सभा के मेंबर हैं। सभी को अच्छा लग रहा है। आप बताइये आपको कैसा लगा? यह भी कोई पूछने की बात है सर। सरस्वती सभा का मतलब मैं अच्छी तरह जानता हू। बैठे हुए ग्यारसी लाल, रेवड़राम, परसादी लाल और रामकरण जी को देखकर जाना जा सकता है, अकादमी को पुराने दमघोंटू वातावरण से मुक्ति मिली।' कजोडमल चापलूसी के अंदाज में बोले तो अध्यक्ष बोले 'अब सारा दारोमदार आप सबके कंधों पर है। मैं तो पैसा खर्च कर सकता हूं, आयोजन व कार्यक्रमों का दारोमदार आप लोगों पर है। अच्छे विचार दीजिए हम उनको लेकर आगे बढ़ेंगे। कजोड़मल बोले 'सर, हम क्या विचार देंगे। सब कुछ आप ही करने वाले हैं। आपको साहित्य का लम्बा अनुभव है। हम तो आप के यसमैन, हैं। नागरमल बोले इसीलिए आप सब को साथ लिया है। पैसे की कमी नहीं है। बस आपका भरोसा चाहिए। कजोड़मल ही बोले सर, आपने भरोसा हम पर किया है तो हम उसे नहीं तोडेंगे। सही पूछे तो हम आने-जाने का टीए-डीए भी नही लेंगे। हमे अकादमी चलानी है। सर, लेकिन मोतीलाल जी, आपके विरोध में है। नागरमल बोले उसकी चिंता नहीं है। मोतीलाल, अध्यक्ष बनना चाह रहे थे। लेकिन नहीं बन पाए इसलिए परेशान है।' 'सर मोतीलालजी आपके सामने क्या हैं? उनके पेट में मरोड़ उठें तो उठे। सर अकादमी सचिव को थोड़ा समझा देना। कजोड़मल ने कहा तो अध्यक्ष जी बोले 'अरे वह तो बेचारा बाबू है। थोड़ा बहुत वह भी कमा-खा लेगा तो अपने बाप क्या जाता है? सरकारी माल है लूटो और खाओ। ऐसा नहीं है कि प्रसाद लगेगा तो आप लोगों को भी मिलेगा। कजोड़मल आप में मुझे उपाध्यक्ष बनाने की प्रतिभा दिखाई पड़ रही है। संभव है आप उपाध्यक्ष बनें।' कजोड़मल उछल पड़े 'सर, मैं कैसे क्या करूंगा?' नागरमल हंसकर बोले अरे भाई हस्ताक्षर करना जानते हो न। कजोड़मल बोले 'यस सर।' सबने तालियां बजाई और सभा विसर्जित हो गई, लेकिन कजोड़मल से यह खुशी संभाले नहीं संभल रही थी कि वे सरस्वती सभा के मेंबर हैं।

प्राकृतिक सुंदरता

नारकंडा, हिमाचल प्रदेश
शिमला से लगभग 65 किमी दूर स्थित, नारकंडा एक और अविश्वसनीय स्थान है जो सर्दियों में सुंदर और सफेद बर्फ से ढक जाता है। नारकंडा स्कीइंग स्थलों में से एक है, जो अपनी आकर्षक प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी जाना जाता है।

आज की पाती

महिलाएं कर रहीं रोजगार सर्जन

यूपी में बसपा, सपा और भाजपा की बारी बारी से सरकार बनी है। महिलाओं ने 2019 के लोकसभा के चुनाव में सबसे ज्यादा मतदान किया। भाजपा का नारा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ से महिलाओं में एक प्रकार हिम्मत बंधी है। भाजपा ने महिलाओं को हर मोर्चे पर आगे किया है। मोदी की इस मुहिम से महिलाओं का हौसला बुलन्द हुए हैं। आज महिला देश में स्वनिर्भर होकर अपने बूते रोजगार का सर्जन कर रही है। देश में महिलाओं का सम्मान और उनके हक की लड़ाई के लिए जिस दल ने सहयोग दिया होगा। महिलाओं का वोट उसी पार्टी को जाएगा।

-कांतिलाल मांडोत सूरत

करंट अफेयर

अमेरिका ने अफगानिस्तान के लिए की सहायता की घोषणा

अमेरिका ने अफगानिस्तान के लिए 30.8 करोड़ डॉलर की अतिरिक्त मानवीय सहायता की घोषणा की है। यह नई सहायता ऐसे समय घोषित की गई है, जब तालिबान के कब्जे के करीब पांच महीने बाद देश गंभीर मानवीय संकट की ओर बढ़ रहा है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एमिली हॉर्न ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए अमेरिकी एजेंसी (यूएसएड) से नई मदद स्वतंत्र मानवीय संगठनों के जरिये दी जाएगी, जिसे आश्रय, स्वास्थ्य, सर्दियों से बचने में सहायता, आपात खाद्य सहायता, पानी और स्वच्छता सेवा पर खर्च किया जाएगा। उल्लेखनीय कि यूएसएड ने तालिबान से 'सहायता कर्मियों, खासतौर पर महिलाओं को स्वतंत्र और सुरक्षित तरीके से काम करने देने का आह्वान किया है ताकि मानवीय समूह पीड़ितों की सहायता कर सकें। एजेंसी ने बयान में कहा, 'अमेरिका तालिबान से निर्बाध मानवीय सहायता को बनाए रखने और मानवीय कार्यों के लिए सुरक्षित माहौल बनाने, सभी असुरक्षित लोगों तक स्वतंत्र से सहायता पहुंचाने के प्रावधान और सभी लिंग के सहायता कर्मियों की आवाजाही सुनिश्चित करने की मांग करना जारी रखेगा।' इस नई मदद के साथ ही अगस्त के बाद से अब तक अमेरिका द्वारा 78 करोड़ डॉलर की सहायता अफगानिस्तान के लिए घोषित की जा चुकी है।

ऑफ बीट

रस्सियों में बंधा ममी मिला जमीन के अंदर था दफन

पेरू में पुरातत्वविदों ने कजामरक्विला की साइट पर करीब 1,000 साल पुरानी एक ममी का पता लगाया है। लेकिन, हजार साल पुराने इस ममी ने रिसर्चर्स को हैरानी में डाल दिया है। जमीन में दफन इस ममी के हाथ और पैर को रस्सियों से बांधा गया था और उसी हालत में ये जमीन के अंदर दफन था। सबसे हैरानी की बात ये है, कि इस ममी के पास सब्जी और कुत्ते को भी रखा गया था। शोधकर्ताओं ने ममी को भ्रूण की स्थिति में और रस्सी से बंधे हुए पाया है। इतिहासकारों का कहना है कि, जिस समय इस ममी को दफनाया गया था, उस समय काजमार्क्विला एक संपन्न शहर हुआ करता था, जो देश के अंदर बहने वाली रिमैक नदी के तट से सिर्फ 16 किलोमीटर ही दूर था और इस शहर की काफी अलग विशेषताएं हुआ करती थी। खासकर व्यापार को लेकर। यह एक ऐसा स्थान था जहां पेरू के तटीय और पहाड़ी क्षेत्रों के लोग व्यापार में लगे हुए थे। रिसर्चर्स का कहना है कि, जिस वक्त की ये ममी है, उस वक्त कजामरक्विला शहर में करीब 10 हजार से ज्यादा लोग रहते थे और नदी किनारे शहर के स्थिति होने की वजह से यहां से काफी व्यापार किया जाता था। शोधकर्ताओं ने बयान में कहा कि अच्छी तरह से संरक्षित ममी एक जमीन के अंदर दफनाए गये एक मकबरे में मिली है, जिसमें सात-सीढ़ी की सीढ़ियां थीं।

ट्रेंड

यात्रियों की सुरक्षा

आठ यात्रियों तक के वाहनों में सवारियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए, मैंने अब कम से कम 6 एयरबैग अनिवार्य करने के लिए जीएसआर अधिसूचना के मसौदे को मंजूरी दी है। दो साइड टोरसो एयरबैग्स सभी आउटबोर्ड यात्रियों को सुरक्षित करते हैं।

-नितिन गडकरी, केंद्रीय मंत्री

लड़कियों को अवसर मिलें

अफगानिस्तान में महिलाएं कार्यालयों और कक्षाओं से गायब हैं। कोई भी देश अपनी आधी आबादी के अधिकारों से वंचित करके आगे नहीं बढ़ सकता। अफगानिस्तान की महिलाओं और लड़कियों की सभी शिक्षा और रोजगार के अवसरों और स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं तक पहुंच होनी चाहिए।

-एंटोनियो गुतरेस, यूएन महासचिव

आत्मविश्वास की जरूरत

मेरी प्रतिबद्धताओं में से एक सामान्य ज्ञान और वैज्ञानिक निष्कर्षों के आधार पर मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देना है। हमें और अधिक आत्मविश्वास की जरूरत है, जो दूसरों की चिंता से आता है। आंतरिक शक्ति का वास्तविक स्रोत सौहार्दता है।

-दलाई लामा, आध्यात्मिक गुरु

सच बोला होगा

दुनिया के शीर्ष महामारी विज्ञानियों में से एक डब्ल्यूएचओ का कहना है कि भारत के कोविड की मौत के आंकड़ों पर भरोसा नहीं करता है। आपकी क्या प्रतिक्रिया है मोदीजी? आपकी चुप्पी से पता चलता है कि उसने सच बोला होगा।

-कपिल सिब्बल, पूर्व सांसद

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

स्व.गुरुदयाल बालिका इंटर कालेज में हुआ मानस सम्मेलन का आयोजन

संवाददाता

मौदहा, हमीरपुर। मौदहा क्षेत्र के ग्राम नायकपुरवा स्थिति स्व गुरुदयाल बालिका इंटर कालेज में चल रहे मानस सम्मेलन में आज मानस वक्ता डॉ देवीप्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि मनुष्य के जीवन पर वैवाहिक जीवन में पति.पत्नी को एक.दूसरे की बात पर भरोसा करना चाहिए। अगर इस रिश्ते में अविश्वास आता है तो रिश्ते बिगड़ सकते हैं। ये बात शिवजी और सती की एक कथा से भी समझ सकते हैं।श्रीरामचरित मानस के बालकांड में शिव और सती का एक प्रसंग है। शिव और सतीए अगस्त ऋषि के आश्रम में रामकथा सुनने गए। सती को ये बात थोड़ी अजीब लगी कि श्रीराम शिव के आराध्य देव हैं। सती का ध्यान कथा में नहीं रहा और वह यह सोचतीं रहीं कि शिव जो तीनों लोकों के स्वामी हैंए वे श्रीराम की कथा सुनने के लिए क्यों आए हैंघ् कथा समाप्त हुई और शिव.सती वापस कैलाश पर्वत लौटने लगे।उस समय रावण ने सीता का हरण किया था। श्रीराम सीता की खोज में भटक रहे थे। देवी सती को ये देखकर आश्चर्य हुआ कि शिव जिसे अपना आराध्य कहते हैंए वह एक स्त्री के वियोग में साधारण इंसान की तरह रो रहा है। सती ने शिवजी के सामने ये बात कही तो शिवजी ने समझाया कि यह सब श्रीराम की लीला है। भ्रम में मत पड़ोए लेकिन सती नहीं मानीं और शिवजी की बात पर विश्वास नहीं किया।सती ने श्रीराम की परीक्षा लेने की बात कही तो शिवजी ने रोकाए लेकिन सती पर शिवजी की बात का कोई असर नहीं हुआ। देवी सती सीताजी का रूप धारण करके श्रीराम के सामने पहुंच गईं।श्रीराम ने सीता के रूप में सती को पहचान लिया और पूछा कि हे माताए आप अकेली इस घने वन में क्या कर रही हैंघ् शिवजी कहां हैंघ् जब श्रीराम ने सती को पहचान लिया तो वे डर गईं और चुपचाप शिव के पास लौट आईं मुख्य वक्ता डॉ देवी प्रसाद त्रिपाठी एवं डॉ सर्वेश द्विवेदी झलोखर वाले गायन महेंद्र वीर सिंह चौहान हमीरपुर तबला वादन में राम विशाल गौतम चांदपुर फ्तेहपुर एवं मंच संचालक श्री पंडित संजय शर्मा जय बाबा राजाराम आश्रम झलोखर बटुक ब्राह्मणों के द्वारा आर्गन बाधक रामजी द्विवेदी हमीरपुर एजिला पंचायत सदस्य विपिन पाण्डेएसंजय त्रिपाठीए दिनेश गुप्ताएसुशील यादव आदि।

सार्वजनिक स्थानों पर अभियान चलाकर करायें आईटीपीसीआर और एन्टीजन जांच

- प्रमुख सचिव ने डिप्टी सीएमओ को दिय निर्देश
- निगरानी समितियों को सक्रिय करने के भी निर्देश
- गौशालाओं में गोवंशों का परीक्षण कराने पर दिया जोर

बांदा। शनिवार को कोविड-19 एवं संचारी रोग नियंत्रण एवं बचाव आदि की व्यवस्थाओं की व्यापक समीक्षा करते हुए उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी से जानकारी प्राप्त की कि जनपद में आज कितने कोरोना केस आये हैं, कितने सक्रिय हैं जिसमें उनके द्वारा जानकारी दी गयी कि आज 40 केस नये हैं और सक्रिय केसों की संख्या 127 हैं जिसमें से 02 जिला अस्पताल, 01 मेडिकल कॉलेज बांदा, 01 लखनऊ में भर्ती है शेष 123 केसेस होम आइसोलेशन में हैं। प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिये कि सार्वजनिक जगहों पर अभियान चलाकर आईटीपीसीआर तथा एन्टीजन टेस्ट कराना सुनिश्चित करें और मेडिसिन किट भी समय से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि होम आइसोलेशन में जो सक्रिय मरीज हैं उन्हें आइवर मैक्टिन, पैरासिटामॉल इत्यादि दवायें दी जाए और 469 ग्राम पंचायतों में सभी निगरानी समितियां सक्रिय की जायें और उन समितियों को थर्मामीटर, पल्स ऑक्सीमीटर सम्बन्धी उपकरण दिये जायें और यह सुनिश्चित किया जाए कि ये उपकरण पूर्णरूप से कार्य कर रहे हों। प्रमुख सचिव श्री अनुराग श्रीवास्तव ने शीत लहर को दृष्टिगत रखते हुए निर्देश दिये कि जनपद में सार्वजनिक जगहों पर जगह-जगह अलाव जलवाये जायें और गरीब एवं असहाय व्यक्तियों को कम्बल वितरण का समय-समय से भी कार्य कराया जाए और कोई भूख से न मरने पाये यह विशेष ध्यान दिया जाए। लगातार गौ आश्रय स्थलों पर गौवंशों का मेडिकल परीक्षण भी कराया जाए। जिलाधिकारी अनुराग पटेल ने जानकारी देते हुए कहा कि महोदय जनपद में 5544 कम्बलों का वितरण करा दिया गया है और शेष मंगाये गये हैं। कोटेदारों को निर्देश दिये गये हैं कि जनपद में कोई भूख से न मरने पाये और लगातार हमारे द्वारा गौ आश्रय स्थलों का निरीक्षण भी किया जा रहा है और मण्डल कारागार से लगभग 250 पुराने कम्बलों एवं मण्डी समिति बांदा से बारदाना के बोरों से गौवंशो को ठण्ड से बचाया जा रहा है और गुड भी खिलाया जा रहा है तथा समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया जा रहा है।

खबर एक नजर

किशोर-किशोरियों को लगाई गई कोरोना वैक्सीन

तिंदवारी(बाँदा)। क्षेत्र के जौहरपुर गांव में 15 से 18 वर्ष के 105 किशोर/किशोरियों के कोरोना वैक्सीन की पहली डोज़ लगाई गई। जौहरपुर प्रधान धर्मेंद्र परमार ने सभी वैक्सीन लगवाने वाले किशोर/किशोरियों को फ्लन वितरित किये। मकर संक्रांति पर खिचड़ी भोज कराया गया। प्रधान धर्मेंद्र सिंह परमार ने बताया कि करीब डेढ़ सौ किशोर/किशोरियों के वैक्सीन लगाई गई है। प्रधान धर्मेंद्र सिंह परमार ने किशोर/किशोरियों से कोरोना की पहली डोज़ लगवाने के साथ साथ उन लोगों से भी कोरोना वैक्सीन लगवाने की अपील की है जिन्होंने अभी तक वैक्सीन लगवाई ही नही या केवल पहली डोज़ लगवाई है। इस दौरान एएनएम माया देवी, शकुंतला, विमला, पंचायत मित्र राहुल, लेखपाल कमलेश बाबू, राम सिंह, भानू आदि मौजूद रहे।

पोलियो की तर्ज़ पर घर-घर जाकर लगाएंगे कोरोना की वैक्सीन

तिंदवारी/बांदा। घर-घर जाकर 15 से 18 वर्ष के किशोर/किशोरियों को कोरोना की पहली डोज़ लगाने के लिए क्षेत्र के 56 गांवों के लिए पीएचसी में 15 सीएचओ और 30 एएनएम को मिला 45 टीमें बनाई गई हैं। इन टीमों में आशाओं के अलावा शिक्षक भी शामिल हैं, जो घर घर जाकर किशोर/किशोरियों के कोरोना वैक्सीन की पहली डोज़ लगवाने में मदद करेंगे। वैक्सिनेशन टीम के साथ ग्राम प्रधानों को रहने के लिए चिकित्साधिकारी डा. दिनेश राजपूत ने अनुरोध किया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा वैक्सिनेशन हो सके।

प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. दिनेश राजपूत ने बताया कि पोलियो अभियान के तर्ज पर कोरोना वैक्सिनेशन का काम शुरू किया जा रहा है, 56 गांवों के लिए 45 टीमें गठित की हैं, जो घर-घर जाकर वैक्सीन लगाएगी। पीएचसी में टीमों को जरूरी दिशा निर्देश दे दिए गए हैं। 16 जनवरी से यह अभियान चलाया जा रहा है।

मकर संक्रान्ति पर उमड़ी आस्थावानों की भीड़

खिचड़ी भण्डारे का आयोजन कर कमाया पुण्य लाभ

अतर्रा/बांदा। मकर संक्रांति पर कस्बे के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल गौरा बाबा धाम में भक्तों का दर्शन व पूजा-अर्चना के लिए तांता लगा रहा। एक और जहां लोगों ने खेरापति के दरबार में पूजा अर्चना कर गौरव बाबा से सांसारिक व शारीरिक कलेशो के हरण करने की कामना की वहीं दूसरी ओर जगह-जगह खिचड़ी भंडारे का आयोजन कर श्रद्धालुओं को खिचड़ी बांट कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

मकर संक्रांति के पर्व पर शनिवार को कस्बे के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल खेरापति गौरा बाबा धाम सुबह चार बजे से ही भक्तों का गौरा बाबा के दर्शन पूजा अर्चना के लिए लंबी लाइन दिखी श्रद्धालुओं ने जहां खिचड़ी तिल, मिठाइयां दान कर विधि विधान से पूजा अर्चना कर खेरापति गौरा बाबा से जीवन की सरीरिक क्लेश दूर करने की कामना की वही दूसरी ओर भक्तों ने तीर्थ स्थल पर जगह-जगह स्टाल लगाकर खिचड़ी दांत कर पुण्य लाभ अर्जित किया गौरा बाबा धाम के प्राचीन काल से आयोजित होने वाले खिचड़ी भंडारे में सुबह से देर शाम तक हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने खिचड़ी प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया मंदिर के महंत पुजारी पुरुषोत्तम दास महाराज उर्फमुन्ना भैया ने कहा कि मकर संक्रांति पर बाबा के दर्शन से खिचड़ी दान से मन वाछित फल मिलता है भंडारे में प्रमुख रूप से दीपू पांडे मंजय रैकवार, राजू तिवारी आदि का योगदान सराहनीय दिखा।

दस विधानसभा सीट की सूची में कितने हैं वोटर, सबको पहचान पत्र देने की तैयारी

कानपुर, संवाददाता । ऐसे वोटर जिनके पास मतदाता पहचान पत्र नहीं हैं, उन्हें वोट डालने के लिए वैसे तो कई विकल्प मिलेंगे, लेकिन निर्वाचन आयोग की कोशिश है कि प्रत्येक मतदाता के हाथ में उसके द्वारा जारी पहचान पत्र हो। इसके लिए मतदान से एक दिन पहले तक सभी के पास पहचान पत्र पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। जिले में 1,33,240 मतदाताओं को अभी पहचान पत्र की दरकार है, जबकि 6382 मतदाताओं को पहचान पत्र बांटा जा रहा है। वास्तव में कितने मतदाताओं के पास पहचान पत्र नहीं है इसका सच मतदान के बाद सामने आएगा। जिले में कुल 34.89 लाख मतदाता हैं।

मतदाता पहचान पत्र के साथ ही फोटो युक्त बैंक पासबुक, सार्वजनिक उपक्रम या विभाग द्वारा जारी पहचान पत्र, आधार कार्ड, पैनकार्ड, किसान विकास पत्र, मनरेगा का जाबकार्ड समेत डेढ़ दर्जन विकल्प आयोग उपलब्ध कराता है जिनमें से किसी एक को दिखाकर वोट दिया जा सकता है, लेकिन हर कोई चाहता है कि उसके पास आयोग द्वारा जारी पहचान पत्र हो। मतदाता पहचान पत्र बंटा या नहीं इसकी सच्चाई जानने के लिए ही आयोग मतदान के दिन डेटा तैयार कराता है। इसमें पता चल जाता है कि कितने लोगों ने मतदाता पहचान पत्र का उपयोग किया और कितनों ने अन्य विकल्प का। पांच जनवरी को मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद 1,33,240 नए मतदाताओं का विवरण पहचान पत्र के लिए भेजा गया था। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी कमल किशोर का कहना है कि सभी को पहचान पत्र समय से मिल जाएगा।

अभी इतने के बनने हैं पहचान पत्र

लोडर की टक्कर से बाइक सवार घायल, रिफर

तिंदवारी(बाँदा)। शनिवार सुबह कस्बे से सामान लेकर बाइक से वापस घर लौटते समय पिपरगवां निवासी संदीप सिंह (21) पुत्र गुलाब सिंह को कस्बे के सिंकदरपुर नगर में नेशनल हाईवे पर सामने से आ रहे तेज रफ्तार लोडर ने टक्कर मार दी, गंभीर रूप से घायल संदीप को पीएचसी से जिलाअस्पताल व वहाँ से कानपुर रिफर कर दिया गया। बाइक चालक हेल्मेट पहने हुए था। टक्कर लगने से हेल्मेट दूर जा गिरा। टक्कर मार कर भाग रहे लोडर को यूपी 112 ने पकड़ थाने में खड़ा कराया। संदीप के सिर में गंभीर चोटें आई है व पैर दो जगह से टूट गया है।

जनपद में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां अनवरत जारी

संवाददाता

हमीरपुर। विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 में अधिक से अधिक मतदान के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी ध् जिलाधिकारी डॉ चंद्र भूषण के कुशल निर्देशन व मार्गदर्शन में मतदाता जागरूकता अभियान से संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत आज अभिनव प्रज्ञा महाविद्यालय सरीला के छात्र.छात्राओं द्वारा मतदाता जागरूकता विषयक पेंटिंग बनाई गई तथा ओम हरिहर महाविद्यालय के छात्र.छात्राओं द्वारा भी पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया । इसी प्रकार ग्राम पंचायतों में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत वॉल पेंटिंग का भी कार्यक्रम चल रहा है।मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत अभिनव प्रज्ञा महाविद्यालय तथा ओम हरिहर महाविद्यालय की छात्राओं कल्पना एआकांक्षा एवर्षा एरोशनीए गुड़िया एनिशा एसोनिया आदि छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के मतदाता जागरूकता विषयक पोस्टर बनाए । इसके माध्यम से विभिन्न प्रकार के स्लोगन बना कर मतदाताओं को आगामी 20 फ़रवरी को मतदान करने हेतु प्रोत्साहित किया।

बृहद टीकाकरण कैंप की तैयारियां पूरीए टीकाकरण हेतु 50 टीमें लगाई गयींए जिला स्टेडियम में होना है बृहद टीकाकरण कैंप का आयोजन

संवाददाता

हमीरपुर। जिलाधिकारी डॉ चंद्र भूषण ने सभी जनपदवासियों को सूचित किया है कि आज रविवार को जनपद हमीरपुर के स्टेडियम में विशाल कोविड कैम्प आयोजित होगा। कैंप में अधिक से अधिक नागरिकों के प्रतिभाग करने हेतु जिलाधिकारी ने जनपद के सभी नागरिकों से अपील की है कि जिनका भी कोविड टीकाकरण किसी कारणवश अभी तक नहीं हो पाया है वे अधिक से अधिक संख्या में मुख्यालय स्थित स्टेडियम पहुँच कर टीकाकरण करायें। स्टेडियम के कैम्प में कोवेक्सीन तथा कोवीशील्ड दोनों प्रकार की वेक्सीन 15 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों में प्रथम एद्वितीय व बूस्टर डोज लगाई जायेगी। सभी जनपदवासी आज प्रातः 09द्ध00 बजे अपने आधार कार्ड के साथ स्टेडियम पहुँच कर वेक्सीनेशन कराएं। इस कोविड टीकाकरण कैंप में 15 से 18 वर्ष आयु के श्रेणी के व्यक्तियों ए सामान्य व्यक्तियोंए वरिष्ठ नागरिक सभी को लिए अलग.अलग काउंटर बनाए जाएंगे जिनके लिए व्यवस्थाएं कर ली गई हैं।ज्ञात हो कि कोविड.19 वैक्सिनेशन की बूस्टर डोज दूसरी डोज के 9 माह या 39 सप्ताह बाद लगाई जाती है बूस्टर डोज फ्रंटलाइन वर्कर तथा वरिष्ठ नागरिकों को लगाई जाएगी।

एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित की अगुवाई में पुलिस बल के जवानो ने फ्लैग मार्च कर चुनाव की भौगोलिक स्थिति का लिया जायजा

संवाददाता

मेजा, प्रयागराज। विधानसभा चुनाव के मतदान से पहले मेजारोड में सीआरपीएफ और पुलिस के जवानों ने कदमताल करते हुए नागरिकों को दिया सुरक्षा का भरोसा दिलाया। आदर्श आचार संहिता का पालन कराए जाने के लिए प्रशासन सतर्क है तो वही अर्धसैनिक बल फ्लैग मार्च कर चुनाव की भौगोलिक स्थिति का जायजा ले रहे। जैसे -जैसे यूपी विधानसभा के मतदान का समय करीब आता जा रहा वैसे वैसे ही पुलिस प्रशासन चुनावी तैयारियों को पूर्ण करने में लगा हुआ है जहां आदर्श आचार संहिता का पालन कराए जाने के लिए प्रशासन सतर्क है वही अर्ध सैनिक बल चुनाव की भौगोलिक स्थिति का जायजा ले रहे। इसी क्रम में शनिवार को मेजा थाना क्षेत्र में एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित की अगुवाई में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों ने मेजा रोड बाजार, सिरसा, रामनगर, उरूवा तथा मेजा खास में फ्लैग मार्च कर चुनाव की भौगोलिक स्थिति का जायजा लिया।

साथ ही मतदाताओं को भरोसा दिलाया कि वह निडर होकर चुनाव में मतदान करें।एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित ने मतदाताओं से अफवाहों पर ध्यान ना होदेने, आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों को सूचि देने तथा निडर निर्भीक होकर मतदान करने की अपील की। थाना प्रभारी तुषार दत्त त्यागी लाउडस्पीकर के माध्यम से बाजार वासियों को जागरूक करते हुए निडर होकर मतदान करने की अपील की। फ्लैग मार्च के दौरान मेजारोड चौकी प्रभारी मनीष कुमार सिंह, चौकी प्रभारी सिरसा हरीश चंद्र शर्मा, हेड कांस्टेबल अरविंद चौबे, संजय तिवारी, कांस्टेबल सुजीत यादव, प्रियांशु कुमार, सुरेश यादव सहित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान मौजूद रहे।

शीतलहर से आम जनजीवन हुआ अस्त व्यस्त

संवाददाता

मौदहा;हमीरपुर। क्षेत्र में पड़ रही हाड़ कंपाउ ठंड व चल रही शीतलहर से आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। लोग आग सेंक व गर्मी पैदा करने वाले उपकरणों से अपनी ठंड मिटाने का प्रयास कर रहे हैं वही लोग अपने जरूरी काम के लिए ही अपने घरों से बाहर निकल रहे हैं। हालांकि नगर पालिका परिषद नगर में पांच दर्जन से अधिक स्थानों पर अलाव जलवाने का दावा कर रही है।अवगत हो कि पिछले दिनों मौसम खराब होने के बाद क्षेत्र में हुई बारिश व ओलावृष्टि ने से अचानक ठंड बढ़ गईए कुछ मौसम साफ होते ही कोहरा गिरने व शीतलहर चलने से ठंड ने अपना प्रकोप और बढ़ा दिया जिससे आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। हालांकि नगर पालिका परिषद नगर के 70 स्थानों पर अलाव जलवा कर राहगीरों व लोगों की ठंड मिटाने का प्रयास कर रही है। अलाव के प्रत्येक पॉइंट पर तीस किलो लकड़ी प्रतिदिन जलाने का दावा नगर पालिका के जिम्मेदार कर रहे हैं जबकि मौके का नजारा कुछ और ही होता है फ्लिहाल राहगीरों व जनता को इन अलाव से गर्मी मिल रही हो या नहीं लेकिन नगर पालिका के जिम्मेदार लोगों की जेबें अलाव के माध्यम से जरूर गरम हो रही हैं। अधिशासी अधिकारी सुशील कुमार दोहरे ने बताया कि नगर के मुख्य मार्ग व सभी वार्डों के70 चयनित स्थानों पर प्रतिदिन अलाव जलाया जा रहा है इधर अचानक शीतलहर का प्रकोप बढ़ने पर उन्होंने नगर के 15 मुख्य स्थानों पर दिन में भी अलाव जलवाना शुरू कर दिया है ताकि राहगीरों को कुछ राहत मिल सके।

कलेक्ट्रेट कर्मी के पति को अज्ञात लोगों ने मारी गोली

बांदा। बीती रात कलेक्ट्रेट में तैनात महिला कर्मचारी के पति को अज्ञात व्यक्तियों ने गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया है। गोली पेट में लगी और पीठ से बाहर हो गई है,हालत गंभीर होने पर डाक्टरों ने कानपुर रेफर किया है। घटना शुक्रवार को आधी रात के समय घटित गुलर नाका में हुई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर कोतवाली अंतर्गत डीएम कालोनी में गली नंबर दो में रहने वाले मुजीब समद उर्फ पप्पू (40)पुत्र फुक्करंद

गंभीर हालत में कानपुर रिफर

समद शुक्रवार की रात अपनी स्कूटी से घर जा रहा था तभी अज्ञात व्यक्तियों ने उसे गोली मार दी। संदिग्ध परिस्थितियों में गोली उसके पेट में लगी जो पार कर पीठ की तरफ से बाहर निकल गई है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तो मौके पर घायल की स्कूटी और कुछ दूरी पर 315 बोर का तमंचा पडा हुआ पाया गया। घायल को तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया। हालत सीरियस होने पर डाक्टरों ने उसे कानपुर रेफर कर दिया है। घटना के बारे में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक लक्ष्मी निवास मिश्र ने बताया कि घटना के बाद मौके पर फॉरेंसिक टीम ने जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज भी मिले हैं जिसके आधार पर जांच की जा रही है। फिलहाल अभी तक इस मामले में किसी तरह की तहरीर नहीं मिली है। उधर कानपुर में घायल का इलाज चल रहा है।

पुलिस और पैरा मिलिट्री फोर्स ने निकाला एरिया डोमिनेशन मार्च

संवाददाता

स्योहारा। एसपी पूर्वी ओमवीर सिंह के नेतृत्व में स्थानीय पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स में संयुक्त रुप से नगर और ग्रामीण इलाकों में एरिया डोमिनेशन के तहत पैदल मार्च किया। साथ ही लोगों को भयमुक्त मतदान करने को जागरूक किया। विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशासन पूरी तरीके से सतर्क है। पत्रकारों से वार्ता करते हुए एसपी पूर्वी ओमवीर सिंह ने बताया कि चुनाव का निष्पक्ष माहौल बनाने के लिए चुनाव आयोग द्वारा अतिरिक्त पुलिस बल और पैरामिलिट्री फोर्स उपलब्ध कराया गया है जिसका इस्तेमाल विभिन्न थाना क्षेत्रों में एरिया डोमिनेशन के लिए किया जा रहा है ताकि लोग निष्पक्ष होकर मतदान कर सकें। आचार संहिता लागू है और यदि कोई भी आचार संहिता का उल्लंघन करता हुआ पाया जाता है तो संबंधित के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी सभी मतदाता भय रहित मतदान करें तथा किसी के प्रलोभन में न आए। उन्होंने कहा कि अगर कोई किसी मतदाता को प्रलोभन देता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी । इसी के साथ उन्होंने सभी लोगों से कोविड के नियमों का पालन करने को अपील की।

नामांकन की तैयारियों का डीएम व एसपी ने लिया जायजा

संवाददाता

हमीरपुर। विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 के अंतर्गत चुनाव 2022 का मतदान तीसरे चरण में 20 फ़रवरी को कराया जाएगा। विधानसभा चुनाव को

संपादित होने वाले विभिन्न कार्यों की तैयारियां तेज हो गई हैं। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर का निरीक्षण कर नामांकन से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। गाड़ियों के प्रवेश से लेकर बैरिकेडिग तक की व्यवस्थाओं को समय से पूरा करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कहा नामांकन के दौरान हर कोई सीसीटीवी कैमरों की कैद में होगा और पर्याप्त सुरक्षा कर्मी तैनात किए जाएंगे।जनपद में विधानसभा दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी डॉ चंद्र भूषण त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार दीक्षित ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित नामांकन कक्ष का निरीक्षण कर उचित व्यवस्था बैरिकेडिगएगाड़ियों की प्रवेश सम्बन्धित अनुमति आदि बिन्दुओं के दृष्टिगत अपर जिलाधिकारी रमेश चंद्र और अपर पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार के साथ पूरे कलेक्ट्रेट परिसर का भ्रमण कर निरीक्षण किया व सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

राजस्व टीम ने किया चकमार्ग का सीमांकन

शनिवार को धरमपुर में कैलाशी का पूरा मजरा में चकमार्ग संख्या-70, की पैमाइश कानूनगो शुक्लपुर के नेतृत्व में संपन्न।

संवाददाता

उरुवा प्रयागराज। शनिवार को कानूनगो शुक्लपुर राजकुमार सोनकर के देखरेख में राजस्व टीम धरमपुर गांव पहुँची, जहाँ उनके द्वारा लम्बे समय से विवादित चकरोड संख्या-70, की पैमाइश व सीमांकन किया गया। मौके पर लेखपाल ताहिर हुसैन, प्रधान धरमपुर रेखा देवी, विनोद कुमार मिश्र, बीडीसी शिवकमलेश, कल्लू बिन्द, श्याम लाल, सखाराम, बाबूलाल, केशव प्रसाद, शिव कुमार, शिवराम, विरेन्द्र कुमार सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे। बता दें कि धरमपुर में कैलाशी का पूरा मजरा में चकरोड न बनने से आवागमन काफी कठिन हो चुका है। चकमार्ग संख्या 70 पर ह रहे निर्माण में काश्तकारों द्वारा बार बार बाधा उत्पन्न किया जा रहा है। समस्या को लेकर ग्राम प्रधान रेखा देवी ने उपजिलाधिकारी मेजा को कई प्रार्थना पत्र दिया लेकिन राजस्व कर्मियों की उदासीनता के चलते चकरोड की पैमाइश और सीमांकन नहीं हो पा रहा था। उधर, प्रधान रेखा देवी द्वारा उरुवा की प्रमुख आरती गौतम के समक्ष इण्टरलाकिंग रोड की माँग की गयी, जिसके चलते क्षेत्र पंचायत निधि से

कैलाशी का पूरा मजरा के लिए काशी प्रसाद मिश्र के बाग से कल्लू बिन्द के घर तक इण्टरलाकिंग रोड स्वीकृत हुआ है।

चकरोड की पैमाइश व सीमांकन न होने तथा स्थानीय काश्तकारों द्वारा व्यवधान उत्पन्न करने के कारण अबतक इण्टरलाकिंग रोड का निर्माण अधर में लटका है।

कटरीना ने नहीं दिया था न्योता

मुंबई। कटरीना कैफ और विक्की कौशल की शादी को एक महीना पूरा हो चुका है। खबरों की मानें तो दोनों ने सलमान खान व उनकी फैमिली को इनवाइट नहीं किया था। इसे लेकर अभी तक कटरीना कैफ ने रिएक्ट नहीं किया है लेकिन अब सलमान खान के बहनोई आयुष शर्मा ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। जब आयुष शर्मा से पूछा गया कि आपके परिवार को कटरीना कैफ की शादी का निमंत्रण नहीं मिला तो इस पर ऐक्टर ने कहा कि वह खुश हैं कि कटरीना कैफ को उनका प्यार मिल गया। आयुष ने कहा कि 'कटरीना कैफ उनकी बहुत प्यारी दोस्त हैं और वे उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। कटरीना शुरू से ही इस तरह की शादी करना चाहती थीं और इसमें कोई बड़ी बात नहीं है। ये कटरीना और विक्की के लिए बड़ा दिन था। उन्हें अच्छा समय बिताने की जरूरत है।' आयुष शर्मा ने बताया कि 'कटरीना कैफ हमेशा उनके करीब रहेंगी जैसे परिवार के सदस्य रहते हैं।

लाइफ Style

अनुपमा

एक्ट्रेस पर फिदा है पूरा इंडिया

एजेंसी ▶▶। मुंबई

हिन्दी टीवी सीरियल 'अनुपमा' टीआरपी से लेकर पॉपुलैरिटी के मामले में टॉप पर चलता है। हालांकि, हम इस फिक्शनल किरदार नहीं बल्कि रियल अनुपमा की बात कर रहे हैं, जो अपनी नैचरल ब्यूटी से लोगों के दिलों में जगह बना चुकी है।

छोटी उम्र में ही कई बड़े सितारों के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी इस अदाकारा की सादगी इम्प्रेस करने पर मजबूर कर देती है। यंग ऐज में एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एंट्री करने वाली एक्ट्रेस अनुपमा परमेश्वरन इन दिनों अपने किस सीन के कारण चर्चा में छाई हुई हैं। फिल्म 'राउडी बॉयज' में उन्हें दिग्गज प्रोड्यूसर दिल राजू के भतीजे आशीष रेड्डी के साथ स्क्रीन शेयर करते देखा जाएगा। इसका ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ, जिसमें दोनों कई बार किस करते देखे जा सकते हैं और इसी वजह से वह चर्चा का विषय बनी हुई हैं। हालांकि, ये अदाकारा सिर्फ अपनी मूवीज या एक्टिंग के कारण ही सुर्खियों में नहीं आती, बल्कि सुंदरता, ब्यूटीफुल स्माइल और कभी सादे-तो कभी स्टाइलिश अंदाज को फ्लॉन्ट करने के कारण भी अनुपमा सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। महज 25 साल की अनुपमा परमेश्वरन के इंस्टाग्राम पर नजर डालें, तो उस पर ऐसी तस्वीरों की भरमार दिखती है, जो दिखाती है कि ये बाला वास्तव में कितनी खूबसूरत है और साथ ही में उनकी स्टाइल पर कितनी पकड़ है। वैसे इन सब फोटोज में ये भी नोटिस करने लायक है कि एक्ट्रेस अपने लुक्स में एलिगेंस या स्वीट टच करना काफी पसंद करती हैं।

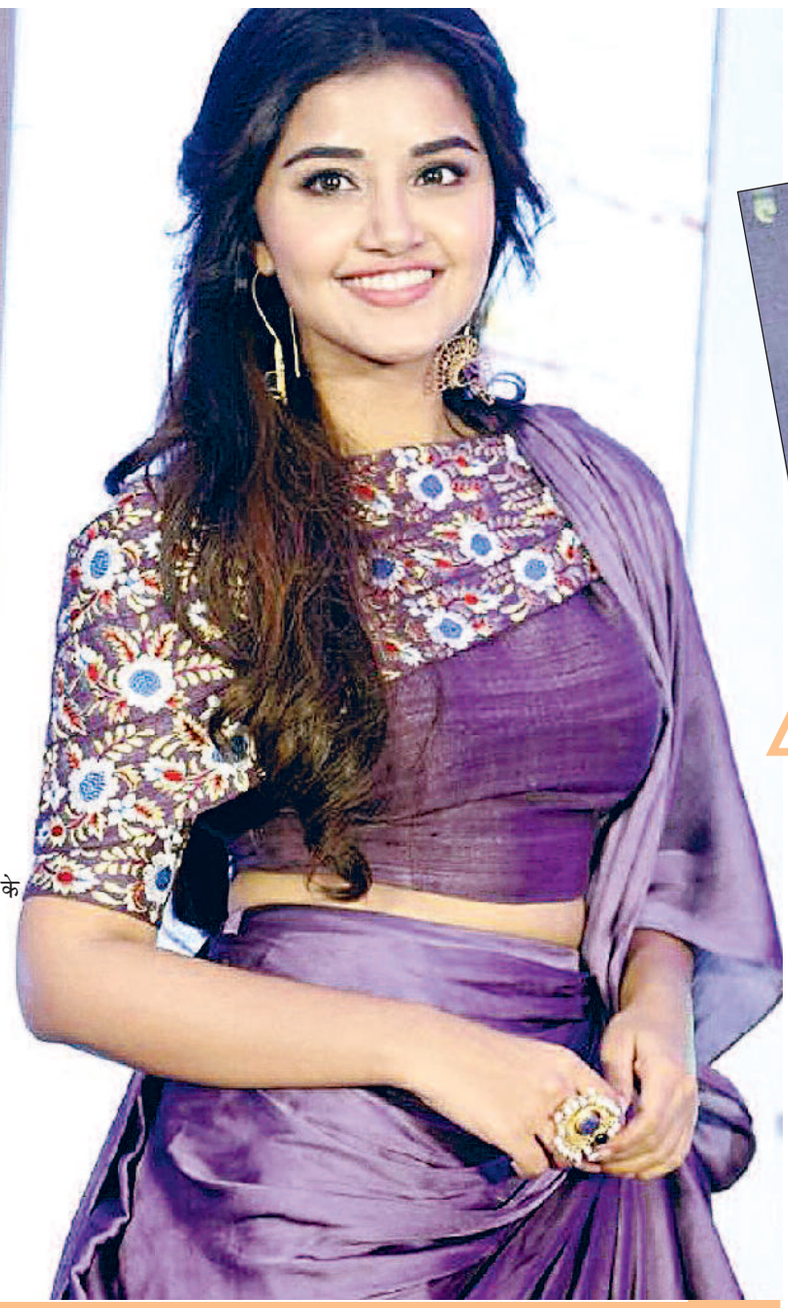

हॉलीवुड मसाला

नाराज हो गई थीं प्रियंका

मुंबई। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस ने कहा कि वह आमतौर पर लोगों की राय से व्यथित नहीं होतीं लेकिन जब एक ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार ने पिछले साल ऑस्कर नामांकन की घोषणा के लिए उनकी योग्यता पर सवाल उठाए थे तो वह परेशान हो गई थीं। ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार ने पिछले साल मार्च में ट्वीट किया था कि 39 साल की अभिनेत्री और उनके गीतकार पति निक जोनस को 93वें एकेडमी अवार्ड्स के नामांकन की घोषणा के लिए क्यों चुना गया है।

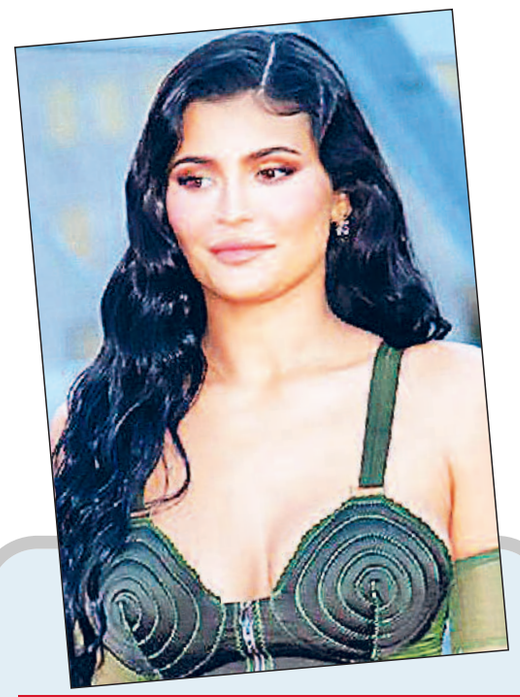

काइली के 300 मिलियन फॉलोअर्स, बना रिकॉर्ड

लॉस एंजिलिस। आज के समय में युवाओं के बीच सोशल मीडिया का चलन तेजी से बढ़ गया है। हर कोई इंस्टाग्राम से लेकर फेसबुक तक पर अपने फॉलोअर्स बढ़ाने में लगा रहता है लेकिन फैन फॉलोइंग के मामले में यंग बिजनेस पर्सन और रियलिटी टीवी स्टार काइली जेनर ने एक बहुत बड़ा कमाल कर दिखाया है। या यूं कहें कि इस मामले में काइली ने एक महारथ हासिल कर ली है। काइली जेनर के इंस्टाग्राम पर 300 मिलियन फॉलोअर्स हो गए हैं और ये आंकड़ा पार करने वाली काइली पहली महिला हैं, जिस वजह से अब काइली जेनर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह आए दिन अपने फैंस के बीच अपने कॉस्मेटिक बिजनेस 'काइली कॉस्मेटिक' का प्रमोशन करती रहती हैं और उनके प्रोडक्ट को लोगों के बीच काफी ज्यादा पसंद किया जाता है।

दीया मिर्जा ने शेयर की थ्रोबैक पिक्चर

मुंबई। एक्ट्रेस दीया मिर्जा बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। समय-समय पर वह अपने लाइफ की झलकियां फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। दिया ने इंस्टाग्राम पर एक और तस्वीर शेयर की है, जिसमें उनके साथ एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा और लारा दत्ता भी हैं। यह फोटो उस समय की है जब दीया, प्रियंका और लारा ने नेशनल और इंटरनेशनल ब्यूटी कॉन्टेस्ट का ताज जीता था। फोटो साल 2000 की है, जिसमें तीनों एक्ट्रेसेज ने विनर्स का टैग पहना हुआ है और बेहद ही खूबसूरत दिख रही हैं। लारा दत्ता ने मिस इंडिया यूनिवर्स, प्रियंका चोपड़ा ने मिस इंडिया वर्ल्ड और दीया मिर्जा ने मिस इंडिया एशिया पैसिफिक का टैग पहना है। फोटो में तीनों ने ब्लैक ड्रेस और हाई हील्स पहनी हुई हैं।

कपिल की बायोपिक 'फनकार' का ऐलान

मुंबई। सोनी टीवी के शो द कपिल शर्मा शो के होस्ट, कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा अपने शो में आने वाले सेलेब्रिटीज को खूब छकाते हैं और खिंचाई करते हैं, मगर अब समय है उनके कच्चे-चिट्ठे खोले जाने का। कपिल की जिंदगी पर अब एक बायोपिक का एलान हुआ है, जिसका शीर्षक है- फनकार। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर कपिल की बायोपिक की घोषणा की गई है। इस फिल्म का निर्देशन फुकरे बना चुके मृगदीप सिंह लाम्बा करेंगे, जबकि निर्माण महावीर जैन कर रहे हैं। फिल्म की स्टार कास्ट का ऐलान अभी नहीं किया गया है। कपिल शर्मा ने बतौर कलाकार एक लम्बा और संघर्षपूर्ण सफर तय किया है। स्टैंड अप कॉमेडी शो से शुरुआत करने वाले कपिल ने अपने नाम का शो शुरू करने से पहले खुद भी कई कॉमेडी रिएलिटी शोज में हिस्सा लिया था।

टीवी मसाला

कर्जत में लग्जरी फार्म हाउस की मालकिन हैं भारती सिंह

मुंबई। कॉमेडियन भारती सिंह इस समय अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने एक मजेदार वीडियो शेयर करते हुए पति हर्ष लिंबाचिया संग एक मजेदार वीडियो शेयर करते हुए जानकारी दी थी। इसके बाद भारती ने एक और तस्वीर शेयर की थी जिसमें वह बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आईं थी। इस समय कोविड के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। प्रेग्नेंसी के समय में कोविड से बचने के लिए भारती सिंह कुछ समय के लिए अपने पति हर्ष के साथ फार्म हाउस में शिफ्ट हो गई हैं। उन्होंने वीडियो शेयर करके घर के अंदर की झलक भी दिखाई है। इस फार्म हाउस में स्वीमिंग पूल के साथ सारी सुख-सुविधा की चीजें मौजूद हैं। भारती सिंह ने अपने यूट्यूब ब्लॉग के जरिए अपने फार्म हाउस की अंदर की झलक शेयर की है। इसी के साथ उन्होंने बताया कि मुंबई में बढ़ते कोरोना केस की वजह से उन्होंने यहां शिफ्ट होने का फैसला लिया है। भारती सिंह के पति हर्ष ने इस बात की जानकारी भी दी कि वह अब फार्म हाउस से ही शूटिंग करेंगे और व्लॉग बनाएंगे। वीडियो में भारती और हर्ष मस्ती करते नजर आ आए।

अवनीत के सामने फीकी हैं हर हसीना

मुंबई। 'अलादीन' फेम अवनीत कौर सोशल मीडिया पर एक बार फिर तहलका मचा रही हैं। अवनीत ने इंटरनेट पर अपने स्टनिंग फोटोज से धमाल मचा दिया है। इस वक्त वह 'टीकू वेड्स शेरू' को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें नसीरुद्दीन शाह के साथ लीड रोल में नजर आएंगी। इस फिल्म का प्रोडक्शन कंगना रनौत कर रही हैं। एक तस्वीर में जहां अवनीत झील के किनारे हॉट पोज देती नजर आ रही हैं, वहीं पीच सैटिन गाउन में भी वह कमाल दिख रही हैं। अपने लेटेस्ट फोटोशूट की एक साथ उन्होंने कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में हर एक तस्वीर अपने-आपमें लाजवाब है जिसमें अवनीत की अदाएं और अंदाज जबर दिख रही हैं।

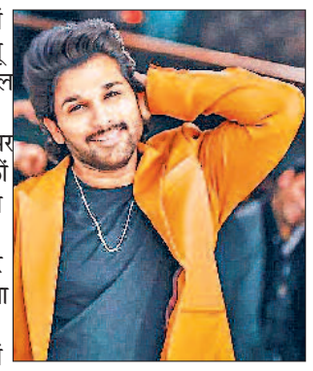

अल्लू अर्जुन के 'इंस्टाग्राम' पर 1.5 करोड़ 'फॉलोअर्स'

मुंबई। तेलुगु फिल्मों के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर प्रशंसकों (फॉलोअर्स) की संख्या 1.5 करोड़ के पार पहुंच गई है और इसके लिए अभिनेता ने शुक्रवार को अपने सभी चाहने वालों का शुक्रिया अदा किया। अभिनेता (39) ने एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, '1.5 करोड़ प्रशंसक...इतना प्यार देने के लिए सभी का शुक्रिया। हमेशा कृतज्ञ रहूंगा। सक्रांति की शुभकामनाएं।' अर्जुन ने 2003 में फिल्म 'गंगोत्री' से अपने करियर की शुरुआत की थी। अपने दो दशक लंबे करियर में अर्जुन ने 'बनी', 'देसमुदुरु', 'रन' और 'अला वैकुंठपुरमलो' जैसी कई फिल्में कीं। हाल ही, में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'पुष्पा: द राइज' को दर्शकों और समीक्षकों दोनों से काफी सराहना मिल रही है।

ऋतिक रोशन को भी कोरोना ने बनाया शिकार

मुंबई। बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के सितारे एक-एक करके कोरोना वायरस महामारी की चपेट में आ रहे हैं। ताजा मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कलाकार ऋतिक रोशन को कोरोना वायरस महामारी ने अपनी चपेट में ले लिया है। टाइम्स ऑफ इंडिया ने अपनी लेटेस्ट रिपोर्ट में जानकारी दी है कि 'विक्रम वेधा' स्टार ऋतिक रोशन को कोरोना वायरस महामारी ने अपना नया शिकार बनाया है। इन दिनों ऋतिक रोशन घर पर ही अपना इलाज करा रहे हैं। ऋतिक रोशन की पूर्व पत्नी सुजैन खान को भी कोरोना अपना शिकार बना चुका है। जिस वक्त सुजैन खान को कोरोना हुआ था, उसी तारीख के आस-पास ऋतिक रोशन को कोरोना वायरस महामारी ने अपना शिकार बनाया था। इन दिनों ऋतिक रोशन मुंबई के वर्सोवा लिंक रोड स्थित अपने फ्लैट में क्वारंटीन हैं।

कैट-विक ने धूमधाम से मनाई पहली लोहड़ी

मुंबई। बॉलीवुड फिल्म स्टार विक्की कौशल और अदाकारा कटरीना कैफ ने शादी के बाद पहली लोहड़ी बेहद धूमधाम से मनाई है। इसकी झलक अदाकारा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम के जरिए दी हैं। शादी के बाद ये कटरीना कैफ और विक्की कौशल की पहली लोहड़ी थी। जिसे अदाकारा ने लाल सूट पहनकर मनाई। सामने आईं इन तस्वीरों में कटरीना कैफ और विक्की कौशल लोहड़ी का मजा लेते हुए दिख रहे हैं। सामने आईं इन तस्वीरों में ये न्यूली वेडेड कपल एक दूसरे के साथ बेहद खुश नजर आ रहा है। अदाकारा कटरीना कैफ और विक्की कौशल ने इन तस्वीरों के जरिए अपने फैंस को लोहड़ी सेलिब्रेशन की तस्वीरें दिखाई हैं। इस दौरान इन दोनों ने अग्नि के सामने जमकर पोज दिए। जिसमें विक्की कौशल और कटरीना कैफ बेहद खुश नजर आ रहे थे। शादी के बाद अपनी पहली लोहड़ी मनाते हुए अदाकारा कटरीना कैफ ने लाल रंग का सूट पहना था। जो उन पर काफी जम रहा था।

भुजंगासन, प्लैंक पोज और नौकासन से मिलेगी मदद

योगासन से बेली फैट की समस्या जल्द होगी दूर

बेली फैट या पेट के आसपास की चर्बी न सिर्फ आपके लुक को खराब कर देती है, साथ ही इसे सेहत के लिए भी काफी नुकसानदायक माना जाता है। अक्सर पेट की चर्बी को कम करने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं। डाइटिंग से लेकर जिमिंग तक, हालांकि बेली फैट को कम करना शायद इतना भी आसान नहीं है।

नई दिल्ली। अगर आप भी बेली फैट की समस्या से परेशान हैं और तमाम तरह के उपाय करके हार चुके हैं, तो योगासन आपके लिए अच्छा विकल्प हो सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक कुछ विशेष प्रकार के योगासन न सिर्फ आपको बेली फैट की समस्या से छुटकारा दिला सकते हैं, साथ ही पेट की कई अन्य समस्याओं जैसे कब्ज, अपच और सूजन को कम करने के साथ पेट को टोन करने में भी मददगार माने जाते हैं। इन योगासनों का नियमित रूप से अभ्यास करके आप कई तरह के अन्य स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आइए आगे की स्लाइडों में ऐसे ही कुछ योगासनों के बारे में जानते हैं।

नोट: यह लेख योग विशेषज्ञों के सुझावों के आधार पर तैयार किया गया है। आसन की सही स्थिति के बारे में जानने के लिए किसी योगगुरु से संपर्क कर सकते हैं।

भुजंगासन योग का अभ्यास

पेट की मांसपेशियों को मजबूत करने के साथ पीठ के निचले हिस्से को आराम देने में भुजंगासन योग या कोबरा पोज के अभ्यास को विशेष लाभदायक माना जाता है। भुजंगासन का नियमित रूप से अभ्यास करने से पेट के आसपास की चर्बी को आसानी से कम करने में मदद मिल सकती है। रीढ़ की हड्डी की समस्याओं से परेशान लोगों के लिए भी इस योग के अभ्यास को फायदेमंद माना जाता है।

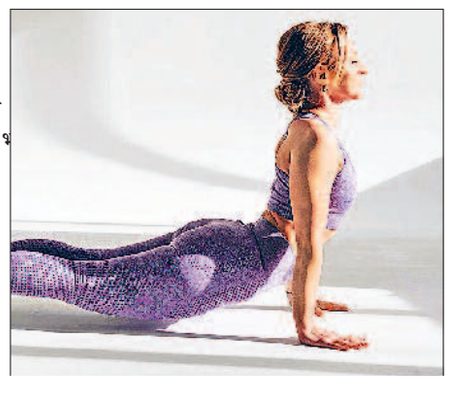

प्लैंक पोज का अभ्यास

पेट की चर्बी को कम करने के लिए प्लैंक पोज को सबसे कारगर योगाभ्यासों में से एक माना जाता है। योग विशेषज्ञों के मुताबिक जितनी देर प्लैंक पोज का अभ्यास किया जाए यह कैलोरी बर्न करके पेट को टोन करने में उतना ही लाभदायक हो सकता है। प्लैंक पोज का नियमित रूप से अभ्यास करना कोर स्ट्रेंथ बनाने, शरीर के लचीलेपन और मेटाबॉलिज्म में सुधार करने में लाभदायक माना जाता है।

नौकासन योग का अभ्यास

पेट की मांसपेशियों पर शानदार ढंग से काम करने और आपके कोर को मजबूत करने में इस योग का नियमित रूप से अभ्यास करना भी आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। पेट की चर्बी को कम करने के अलावा पेट को कम करने और जांघों के लिए भी नौकासन योग का अभ्यास करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। इस योग का नियमित रूप से अभ्यास किया जा सकता है।

ग्लोइंग स्किन के लिए इस्तेमाल करें दूध और शहद का फेसपैक

धूप और धूल की वजह से स्किन काफी डैमेज हो जाती है। आजकल की भागदौड़ और व्यस्त जिंदगी में अकसर आप अपनी स्किन पर ध्यान नहीं दे पाती हैं और स्किन के ये दोनों दुश्मन और भी भारी पड़ते हैं। आपकी स्किन डल, ड्राई और रफ हो जाती है। इनसे छुटकारा पाने के लिए आप भले महंगे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करती हों लेकिन चेहरे के लिए नैचरल फेसपैक्स से बेहतर और क्या हो सकता है। स्ट्रेस, धूल, धूप जैसी प्रॉब्लम्स से आपकी स्किन को बचाने के लिए दूध और शहद का फेसपैक ही काफी है। आज भले ही लोग निखार पाने के लिए मंहगे प्रॉडक्ट्स का सहारा लेते हैं लेकिन दूध-शहद जैसी चीजों का इस्तेमाल पुराने समय से होता आ रहा है। आइए, आपको मिल्क-हनी फेसपैक के बारे में बताते हैं।

आजकल की भागदौड़ और व्यस्त जिंदगी में अकसर आप अपनी स्किन पर ध्यान नहीं दे पाती हैं और स्किन के ये दोनों दुश्मन और भी भारी पड़ते हैं। आपकी स्किन डल, ड्राई और रफ हो जाती है। इनसे छुटकारा पाने के लिए आप भले महंगे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करती हों लेकिन चेहरे के लिए नैचरल फेसपैक्स से बेहतर और क्या हो सकता है।

इसके फायदे

यह नैचरल मॉइश्चराइजर के रूप में काम करता है। 1-2 दिन में ही आपको इसका असर देखने को मिलेगा। आपकी स्किन सॉफ्ट और निखरी हुई दिखेगी। यह आपके कई ऐसे प्रॉबलम्स को भी दूर कर सकता है जिससे आप लंबे समय से जूझ रही हों।

पिंपल्स

अगर आप मुहांसों और पिंपल्स से परेशान हैं तो हनी-मिल्क फेसपैक आपकी मदद कर सकता है।

ऐंटी-एजिंग

इस फेसपैक से रिंकल्स और फाइन लाइन्स भी दूर होते हैं। ऐसे में यह एक बेहतरीन ऐंटी एजिंग साबित हो सकता है।

कैसे बनाएं

एक कटोरे में आधा कप दूध लें और इसमें 2-4 चम्मच शहद मिलाएं। इसे अच्छे से मिलाकर एक पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे और गले में लगाएं और 15 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद इसे पानी से धो लें और साफ तौलिए से चेहरा पोछ लें।

सुंदर बालों के लिए जरूरी है अच्छा पोषण

किसी भी अन्य अंग की तरह ही बालों के लिए भी विटमिन्स जरूरी हैं। रूखे बाल और बाल झड़ने की समस्या का कारण भी कई बार विटमिन की कमी होता है। कई अन्य फैक्टर्स जैसे, उम्र, जेनेटिक्स, हॉर्मोन्स भी बाल झड़ने की वजह होते हैं लेकिन पोषण की कमी बाल झड़ने का सबसे आम कारण है।

शरीर में विटमिन की जरूरत तो आप बखूबी समझते होंगे। विटमिन की कमी से कई तरह की समस्याएं हो जाती हैं। आपके लिए जरूरी है कि आपकी डायट विटमिन और मिनरल्स युक्त हो। फल और सब्जियां हमारे शरीर में विटमिन की कमी को पूरी करते हैं इसलिए डायट में इनका खास महत्व है। किसी भी अन्य अंग की तरह ही बालों के लिए भी विटमिन्स जरूरी हैं। रूखे बाल और बाल झड़ने की समस्या का कारण भी कई बार विटमिन की कमी होता है। कई अन्य फैक्टर्स जैसे, उम्र, जेनेटिक्स, हॉर्मोन्स भी बाल झड़ने की वजह होते हैं लेकिन पोषण की कमी बाल झड़ने का सबसे आम कारण है। आइए, आपको बताते हैं कि घने बालों के लिए कौन-कौन से विटमिन जरूरी हैं।

विटमिन ए

हर तरह के सेल्स को बढ़ने के लिए विटमिन ए की जरूरत होती है। बालों के सेल्स भी उनमें से एक हैं। खाने में विटमिन ए की कमी कई तरह की समस्या पैदा कर सकती है। बालों का झड़ना भी उनमें से एक है। हालांकि, एक्सपर्ट्स के अनुसार इसकी ज्यादा मात्रा भी नुकसानदेह है और इससे भी बाल झड़ सकते हैं।

विटमिन-बी

बालों की अच्छी ग्रोथ के लिए विटमिन बी का एक प्रकार बायोटिन भी जरूरी है। हालांकि, शरीर में इसकी कमी कम ही देखने को मिलती है क्योंकि यह कई तरह के खानपान में पाया जाता है।

विटमिन सी

विटमिन सी में मौजूद ऐंटी ऑक्सिडेंट्स बालों को ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस से बचाते हैं। इसके अलावा विटमिन सी की मदद से कोलेजन बनता है जो हेयर स्ट्रक्चर का एक अहम हिस्सा है।

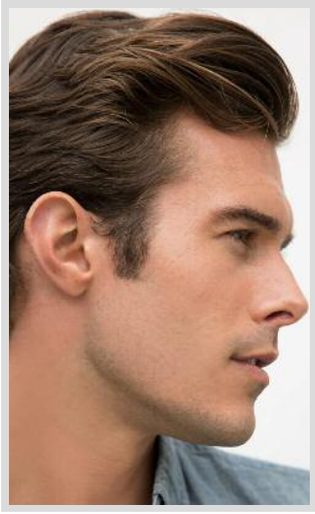

विटमिन डी

स्टडीज में सामने आया है कि बालों के झड़ने के लिए विटमिन डी की कमी भी जिम्मेदार है। विटमिन डी स्कैल्प में पोर्स बनाने में मदद करता है जिससे नए बाल उगते हैं। मोटे-घने बालों के लिए डायट में विटमिन डी शामिल करना जरूरी है। धूप के संपर्क से शरीर खुद विटमिन डी का निर्माण करता है।

रिश्ते में नकारात्मकता को करें दूर

हम सभी के साथ ऐसा होता है, जब एक समय पर आकर प्यार भरा रिश्ता नकारात्मकता से भर जाता है। हर रिश्ते में इसकी वजह अलग-अलग हो सकती है। लेकिन समाधान करने के तरीके लगभग एक जैसे ही हैं। अगर आपको भी अपने रिश्ते से ऊब होने लगी है या प्यार में वो पहले वाला स्पार्क नहीं रहा है तो आपको कुछ बातों पर ध्यान देने की जरूरत है...

हम सभी अपनी बॉडी, अपने करियर और अपनी फिनैन्स प्लानिंग के लिए डीटॉक्स प्लानिंग रखते हैं। लेकिन क्या ऐसा कोई प्लान हम अपने रिश्ते के लिए भी बनाते हैं? ज्यादातर लोगों का जवाब होगा कि हमने ऐसा कोई प्लान नहीं बनाया है। लेकिन ऐसा प्लान बनाना जरूरी है। हम सभी की अपने रिश्ते से कुछ अपेक्षाएं होती हैं। हम अपने पार्टनर से बहुत कुछ चाहते हैं और सभी अपेक्षाएं पूरी ना होने पर नकारात्मकता हमें घेरने लगती है। ऐसे में हम सिर्फ अपने पार्टनर की कमियां देखने लगते हैं। लेकिन इस समय जरूरत इस बात पर भी गौर करने की भी होती है कि हमारा पार्टनर हमसे जो चाहता है, क्या हम उसकी अपेक्षाएं पूरी कर पा रहे हैं!

अगर आपका प्यार भरा रिश्ता किसी बुरे दौर से गुजर रहा है तो आप दोनों साथ बैठकर शांत मन से बात करें। प्लान करें कि आप दोनों अपने रिश्ते से क्या चाहते हैं। जो दिक्कतें है वे क्यों आ रही हैं और उनकी समाधान क्या है? दोनों एक-दूसरे से अपनी इच्छाएं जरूर बताएं। फिर दोनों पार्टनर की इच्छा का सम्मान करते हुए सुधार का प्रयास करें। ऐसा करना आपके रिश्ते के लिए किसी टॉनिक की तरह होगा।

सेक्स तभी जब दोनों की इच्छा हो

ज्यादातर कपल्स को लगता है कि अगर रिश्ते में बोरियत आ रही है तो सेक्स के द्वारा इसे दूर किया जा सकता है। लेकिन ऐसा नहीं होता है। जब तक मन शांत ना हो रिश्ते में प्यार को रिवाइव नहीं किया जा सकता है। हां, खराब मूड के साथ ज्यादा सेक्स करना आपके बीच दूरी बढ़ने की वजह जरूर बन सकता है। साथ में वक्त बिताएं, बातें करें। चीजें ठीक होने लगेंगी।

बात करें और दिक्कत सुलझाएं

आपका आज किन्हीं कारणों से खराब है और आप अपने लगातार खराब हो रहे रिश्ते को एक बेहतर कल की उम्मीद में ढो रहे हैं। ऐसा ना करें। चीजें ठीक तभी होंगी जब आप उन्हें ठीक करने की कोशिश करेंगे। जैसे बिना कुछ कहे आप अपने पार्टनर के मन की बात नहीं समझ सकते, ठीक वैसे ही वह भी आपके बिना बताए यह नहीं जान पाएगा कि इस दौर में आपके मन में क्या चल रहा है। बात करें और दिक्कत सुलझाएं।

ऐसा रिश्ता छोड़ना बेहतर

अगर आपको लगता है कि यहां बताए गए सभी काम आप कर चुके हैं। लेकिन आपका पार्टनर आपको समझने और चीजें सुधारने के लिए तैयार नहीं है। तो हम आपसे खुद को धोखा देने के लिए नहीं कहेंगे। मजबूत इच्छा शक्ति के साथ ही किसी रिश्ते को बेहतर बनाया जा सकता है। अगर आपका पार्टनर किसी भी तरह की गलत बातों और आदतों को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है तो आपको एक खुशनुमा जिंदगी का चुनाव करने का पूरा हक है।

नई शुरुआत के लिए कभी देर नहीं

अगर आपको लगता है कि आप लंबे समय से रिश्ते का बुरा दौर देख रहे हैं। तो हो सकता है कि नकारात्मकता आपके मन पर भी हावी हो गई हो। खुद को शांत करें और फिर सोचें कि आप अपने जीवन को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं। याद रखें कि जीवन में नई शुरुआत के लिए कभी देर नहीं होती। हर किसी को अच्छी जिंदगी जीने का पूरा हक है।

मीडिया का बदलता चेहरा

लगभग 26 वर्ष पहले के सिर्फ एक राष्ट्रीय चैनल से लेकर आज के सैकड़ों निजी चैनलों तक आते-आते दर्शकों के सामने विकल्पों की भरमार हो गई है। यह एक सगाई है कि शायद ही कोई चैनल इस कारण से बंद हुआ होगा कि उसे नुकसान उठाना पड़ रहा था। इससे इस सगाई को बल मिलता है कि उनमें से अधिकतर के पास एक व्यावहारिक व्यवसाय मानक है। कोई चैनल कितने दर्शकों को अपनी तरफ आकर्षित कर पाता है इसमें अंतर हो सकता है। लेकिन उनमें से प्रत्येक के जरिए प्रस्तुत किए जाने वाले विभिन्न श्रेणियों के विषयों के लिए अलग-अलग बाजार है। इसके अलावा, एक विशेष श्रेणी के अंतर्गत छोटी-छोटी उप-श्रेणियां भी उभर रही हैं। उदाहरण के लिए समाचार चैनलों के अंतर्गत बिजनेस चैनल हैं। खेल चैनलों के अंतर्गत पूरी तरह से क्रिकेट को समर्पित चैनल हैं। इसी तरह से अन्य चैनल भी हैं। न सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में बल्कि, अन्य सभी क्षेत्रों में भी ऐसा ही है।

आजकल जब आप अपने टीवी सेट को ऑन करते हैं तो पाते हैं कि चैनलों की संख्या में असाधारण रूप में वृद्धि हो गई है। इसके अलावा दर्शकों के पसंदीदा विषयों में भी एक दशक पहले के मुकाबले स्पष्ट बदलाव महसूस किया जा सकता है। लगभग 26 वर्ष पहले के सिर्फ एक राष्ट्रीय चैनल से लेकर आज के सैकड़ों निजी चैनलों तक आते-आते दर्शकों के सामने विकल्पों की भरमार हो गई है। यह एक सगाई है कि शायद ही कोई चैनल इस कारण से बंद हुआ होगा कि उसे नुकसान उठाना पड़ रहा था। इससे इस सगाई को बल मिलता है कि उनमें से अधिकतर के पास एक व्यावहारिक व्यवसाय मानक है। कोई चैनल कितने दर्शकों को अपनी तरफ आकर्षित कर पाता है इसमें अंतर हो सकता है। लेकिन उनमें से प्रत्येक के जरिए प्रस्तुत किए जाने वाले विभिन्न श्रेणियों के विषयों के लिए अलग-अलग बाजार है। इसके अलावा, एक विशेष श्रेणी के अंतर्गत छोटी-छोटी उप-श्रेणियां भी उभर रही हैं। उदाहरण के लिए समाचार चैनलों के अंतर्गत बिजनेस चैनल हैं। खेल चैनलों के अंतर्गत पूरी तरह से क्रिकेट को समर्पित चैनल हैं। इसी तरह से अन्य चैनल भी हैं।

न सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में बल्कि, अन्य सभी क्षेत्रों में भी ऐसा ही है। चाहे परिवहन का क्षेत्र हो अथवा संचार, बैंकिंग वगैरह का, उपभोक्ताओं के सामने विकल्पों की कोई कमी नहीं है। 'सभी कार्यक्रम सभी को पसंद आ सकते हैं' यह अवधारणा अब पुरानी पड़ चुकी है। उपभोक्ताओं की कॉन्टेंट को लेकर अपनी अलग-अलग जरूरतें एवं प्राथमिकताएं हैं। इसके माध्यम से ही इसकी प्रस्तुति 'इंटरनेट, टीवी, मोबाइल' पर होती है। इन अवसरों को भुनाने के लिए नए व्यावसायिक मानकों को तेजी से गढ़ा जा रहा है। असाधारण गति से नयापन पुरानेपन का स्थान ले रहा है।

दर्शकों के व्यवहार में आए इस परिवर्तन के कारण प्राथमिकताएं बदल गई हैं। वे 'निष्क्रिय' रहने की बजाय अब अधिक भागीदारी करने लगे हैं। विशेष रूप से युवा पीढ़ी का झुकाव 'फिक्शन' (सोप ओपेरा इत्यादि) की बजाय 'रियलिटी' की ओर अधिक है। एक ठेठ 'मनोरंजन' चैनल पर रियलिटी शोज की संख्या बढ़ी है। उच्चतम टेलीविजन रेटिंग पॉइंट (टीआरपी) 'केबीसी (कौन बनेगा करोड़पति)','इंडियन आइडल', 'बिग बॉस' जैसे सर्वाधिक लोकप्रिय रियलिटी शोज हासिल कर रहे हैं। न सिर्फ टेलीविजन कार्यक्रमों बल्कि फिल्मों के मामले में भी दर्शकों के व्यवहार में एक खास तरह का बदलाव महसूस किया जा रहा है। 'पिपली लाइव', 'नो वन किल्ड जेसिका', 'धोबी घाट' जैसी फिल्मों को भले ही दर्शकों के विशाल समूह के बीच लोकप्रियता नहीं हासिल हो पाई लेकिन इसके बावजूद उन्होंने 'आला' दर्शक वर्ग को आकर्षित किया और लाभ में रहे। ऐसी फिल्मों की मांग बढ़ती हुई दिख रही है जो 'वास्तविक जीवन' के करीब हों।

प्राथमिकताओं में इस उल्लेखनीय बदलाव का कारण बहुत हद तक प्रौद्योगिकी को माना जा सकता है। अब वह जमाना नहीं रह गया जब अपने बिजली या फोन बिल का भुगतान करने के लिए लंबी लाइनों में खड़ा होना पड़ता था। बैंक से डिमांट ड्राफ्ट बनवाने, सिनेमा, ट्रेन अथवा हवाई टिकट खरीदने के लिए भी लाइन में खड़े होने का दौर पीछे छूट गया है। इन्हें और इन जैसी ही बहुत सी दूसरी गतिविधियों को घर में आराम से बैठकर इंटरनेट अथवा मोबाइल फोन के जरिए अंजाम दिया जा सकता है। इनके लिए स्थान तथा समय का चुनाव भी उपभोक्ता अपनी सुविधा के अनुसार करता है। बहुत से लोग तो कंप्यूटर को बूट होने में जो समय लगता है, उसी से निराश हो जाते हैं और फिल्म अथवा गाने की डाउनलोडिंग बीच में ही छोड़ देते हैं। लोगों के धैर्य में कमी आयी है और साथ ही साथ विविध तरह की मांगों में इजाफा हुआ है, जैसा पहले कभी भी नहीं हुआ करता था। अब सब कुछ सिर्फ एक क्लिक या कॉल की दूरी पर है। इस कारण उपभोक्ता की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता बन गई है (जिसके लिए वह अतिरिक्त भुगतान करने को तैयार है)। उपभोक्ताओं की इस प्राथमिकता को प्रौद्योगिकी की सहायता से बड़ी ही कुशलता एवं विश्वसनीयता के साथ पूरा किया जाता है। अब टिकट बुक करते वक्त आप यह भी तय कर सकते हैं कि सिनेमा थियेटर, बस अथवा हवाई जहाज में किस सीट पर बैठना पसंद करेंगे। अब बहुत सारे प्रोडक्ट तथा सेवा प्रदाता उपलब्ध हैं और वे सभी आपका ध्यान आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। इंटरनेट ने सूचना के फर्क को बहुत हद तक समाप्त कर दिया है। अब आप, घरेलू वस्तुओं से लेकर ब्रॉडबैंड कनेक्शन तक, जो कुछ भी चाहिए, उन्हें खरीदने से पहले उनकी कीमतों का मिलान कर सकते हैं।

अब आप शोरूमों में कदम रखे बगैर ही ब्रांड के बारे में जान सकते हैं, उनसे संबंधित सूचनाएं, स्पष्टीकरण हासिल कर सकते हैं, पूछताछ कर सकते हैं तथा सौदा कर सकते हैं। इसके अलावा, आप उन उपभोक्ताओं से भी भरपूर जानकारियां हासिल कर सकते हैं जो आप से पहले उन वस्तुओं का इस्तेमाल कर चुके हैं। आपके लिए उस व्यक्ति को जानना जरूरी नहीं है जिससे आप सहायता हासिल कर रहे हैं। सूचना का लोकतांत्रिकरण उन लोगों के साथ जुड़ने में सेतु का काम कर सकता है, जिन्हें आप नहीं जानते। इंटरनेट पर ऐसे लोग हैं जिनके पास आप जो जानना चाहते हैं, उससे संबंधित तमाम सूचनाएं हैं। सिर्फ सवाल पूछे जाने की जरूरत है। उत्तर मिलने के बाद उस विश्वसनीय जानकारी तक पहुंचने के लिए आपको सिर्फ अपने विवेक का इस्तेमाल करना होगा। इस नए मीडिया के अंतर्गत हर सेकेंड पर जानकारी का आदान-प्रदान होता है, सूचना देने वाले और सूचना हासिल करने वाले के बीच कोई भी वित्तीय लेन-देन नहीं होता। जब प्रौद्योगिकी, इस तरह के मौलिक बदलाव कर सकती हो और लगातार ही जीवन को बेहतरी की तरफ ले जा रही हो, तो सबसे अधिक फायदे में वही रहेंगे जो उन्हें निर्मित कर रहे हों। सोशल मीडिया की उपस्थिति 'ट्विटर', 'फोरस्क्वायर', 'फेसबुक' 'लिंक्डइन' 'ब्लॉग' इत्यादि किसी भी रूप में हो सकती है। अधिकतर मीडिया प्रौद्योगिकियों का आविष्कार एक सामाजिक उद्देश्य के साथ हुआ है। व्यावसायिक जगत ने अपने ग्राहकों तक पहुंचने तथा अपनी बात को प्रसारित करने के लिए इस माध्यम का उपयोग करने का रास्ता निकाला है।

क्या ऐसे अनाधिकार हस्तक्षेप पर आपत्ति की जाएगी? ऐसा व्यक्ति जो कि बीमा एवं क्रेडिट कंपनियों के अनचाहे फोन कॉल्स से अक्सर ही परेशान रहता आया हो वह निश्चित रूप से ऐसे हस्तक्षेपों को कम करने और अगर संभव हो तो खत्म भी करने के विचार का समर्थन करेगा। लेकिन कोई ऐसा व्यक्ति जिसे उपयोगी सूचनाएं मिलने के कारण अपने व्यक्तिगत जीवन में लाभ हुआ हो, ज्ञान के इस प्रसार का समर्थन ही करेगा। सोशल मीडिया लहर ने पहले के किसी मीडिया के मुकाबले दुनिया भर के तमाम लोगों को अधिक प्रभावित किया है। इसमें एक अनोखी बात है जिसने इस जबरदस्त गति से छा जाने में इसे सक्षम बनाया है। मीडिया की नई लहर ने मीडिया के पहले के संस्करणों के मुकाबले यूजर की नियंत्रण शक्ति को बढ़ा दिया है। इसने निजी जीवन में घुसपैठ को भी कम कर दिया है जिससे दुनिया भर के करोड़ों लोग आपस में जुड़ गए हैं। इस प्रौद्योगिक नव-परिवर्तन ने आपसी संवाद को आसान बनाया। एकाएक लोगों को यह महसूस हुआ कि अब वे अपनी सोच को अभिव्यक्त करने तथा दुनिया भर में किसी के साथ भी शेयर करने में सक्षम थे। इस तरह, किसी व्यक्ति को जानने की जरूरत नहीं रह गई। प्रौद्योगिकी के माध्यम से 'शेयर' करने में सक्षम होने, एक व्यापक पाठक वर्ग तक पहुंचने तथा रोज-रोज के कार्यों को अधिक तेजी से अंजाम देने के कारण लोग सोशल मीडिया के साथ अधिक सक्रियता से जुड़ने लगे हैं।

सिंधू, लक्ष्य इंडिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सिंधू पिछली बार 2019 में 83वीं योनेक्स-सनराइज सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में चालिहा के खिलाफ खेली थी। उस समय असम की युवा खिलाड़ी ने दमदार प्रदर्शन किया था।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारत की पीवी सिंधू और विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन शुक्रवार को यहां योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जीत के साथ अंतिम चार में पहुंचने में सफल रहे। शीर्ष वरीय पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने 36 मिनट तक चले मुकाबले में 21 वर्षीय हमवतन अश्मिता चालिहा को 21-7 21-18 से हराया। तीसरी वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने एच एस प्रणॉय को मुश्किल मुकाबले में 14-21 21-9 21-14 से हराकर पुरुष एकल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। हैदराबाद की 26 साल की खिलाड़ी सिंधू को फाइनल में पहुंचने के लिए छठी वरीयता प्राप्त थाईलैंड की सुपनिदा कटेथोंग के साथ अंतिम चार में भिड़ना होगा। तीसरी वरीयता प्राप्त सिंगापुर की एओ जिया मिन के तेज बुखार के कारण टूर्नामेंट से हटने के बाद केटथोंग ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। लक्ष्य अंतिम चार मुकाबले में मलेशिया के नग तेज योंग से भिडेंगे। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दूसरी वरीयता प्राप्त पुरुष युगल जोड़ी ने भी सिंगापुर के ही योंग काई टेरी तथा लोह कीन हेन पर 21-18, 21-18 से जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। महिला युगल के क्वार्टर फाइनल में रुद्राणी जायसवाल एवं जमालुदीन अनीस कौसर को 21-16, 21-16 से हराकर हरिता मनाझीयिल हरिनारायण और आशना रॉय की जोड़ी ने अंतिम चार में जगह बनाई। पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य और प्रणॉय के बीच करीबी मुकाबला हुआ। प्रणॉय पहला गेम जीतने में सफल रहे लेकिन युवा खिलाड़ी लक्ष्य ने दूसरे गेम को अपने नाम कर मुकाबला बराबर कर दिया। निर्णायक गेम में प्रणॉय ने 6-। की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की लेकिन सेन ने वापसी करते हुए स्कोर 11-9 कर दिया। उन्होंने ब्रेक के बाद अगले 11 में से नौ अंक अपने नाम कर मैच जीत लिया। सिंधू पिछली बार 2019 में 83वीं योनेक्स-सनराइज सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में चालिहा के खिलाफ खेली थी। उस समय असम की युवा खिलाड़ी ने दमदार प्रदर्शन किया था। चालिहा ने शुक्रवार को लय हासिल करने में काफी समय लिया।

उन्होंने हालांकि दूसरे गेम में कड़ी टक्कर दी लेकिन यह सिंधू को रोकने के लिए काफी नहीं था। सिंधू ने शुरुआती गेम में सभी अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए 11-5 की बढ़त हासिल कर ली। मैच के आगे बढ़ने के साथ दोनों खिलाड़ियों के बीच अंकों का फासला बढ़ता गया। चालिहा ने दूसरे गेम में खुद को बेहतर साबित करते हुए 9-9 की बराबरी की। इसके बाद सिंधु ने 15-11 से बढ़त बनाई, लेकिन चालिहा ने फिर से वापसी करते हुए स्कोर को 15-15 कर दिया। सिंधू इसके बाद अपने खेल में आक्रामकता बढ़ाते हुए चार अंक हासिल कर जीत के करीब पहुंच गई। महिला एकल के दूसरे सेमीफाइनल में आकर्षी कश्यप का सामना दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान से होगा। भारतीय खिलाड़ी ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में हमवतन मालविका बंसोद पर 21-12, 21-15 से जीत दर्ज की। बुसानन ने अंतिम आठ में अमेरिका की लॉरेन लैम को 21-12, 21-8 से शिकस्त दी। ईशान भटनागर एवं साई प्रतीक के की पुरुष युगल जोड़ी को मलेशिया की तीसरी वरीयता प्राप्त ओंग यू सिन एवं तेओ ई ई के खिलाफ महज 19 मिनट में 7-21, 7-21 से हार का सामना करना पड़ा। मिश्रित युगल में आठवीं वरीयता प्राप्त वेंकट गौरव प्रसाद एवं जूही देवांगन की भारतीय जोड़ी चेन टैंग जी एवं पेक एन वेई की मलेशियाई जोड़ी से महज 23 मिनट में 10-21, 13-21 से हार गई।

एक नजर

पांचवें एशेज टेस्ट में आस्ट्रेलिया की खराब शुरुआत

होबार्ट। इंग्लैंड ने पांचवें एशेज टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को शानदार शुरूआत करते हुए लंच तक आस्ट्रेलिया के चार विकेट 85 रन पर निकाल दिए। दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन 53 गेंद में 44 रन बनाने के बाद अजीबोगरीब ढंग से आउट हुए। वह क्रीज पर फिसल गए और जब तक वह उठ पाते, स्टुअर्ट ब्रॉड की गेंद उनका मिडिल स्टम्प ले गई। ब्रॉड और ओली रॉबिनसन ने 15 . 15 रन देकर दो दो विकेट लिए और टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण के कप्तान जो रूट के फैसले को सही साबित कर दिया। जाक क्रॉली ने स्लिप में दो अच्छे केच भी लपके लेकिन लाबुशेन का कैच टपकाया। लंच के समय ट्रेविस हेड 33 गेंद में 31 और कैमरन ग्रीन दो रन बनाकर खेल रहे थे। ब्रॉड ने आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाजों डेविड वॉर्नर और उस्मान ख्वाजा दोनों को परेशान करके लगातार तीन मैडन ओवर डाले। वॉर्नर को रॉबिनसन ने क्रॉली के हाथों लपकवाया जो 22 गेंद खेलकर खाता भी नहीं खोल सके थे। ख्वाजा छह रन बनाकर ब्रॉड की गेंद पर स्लिप में कैच दे बैठे। वहीं रॉबिनसन ने स्टीव स्मिथ (0) को पवेलियन भेजा। आस्ट्रेलिया ने पहले दस ओवर में 12 रन पर ही तीन विकेट गंवा दिए थे।

आयरलैंड ने वर्षाबाधित दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज को हराया

किंगस्टन। आयरलैंड ने सबीना पार्क पर वर्षाबाधित दूसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हरा दिया। जीत के लिए आयरलैंड को 230 रन बनाने थे और उसने 32 ओवर में चार विकेट पर 157 रन बना लिए थे जब बारिश के कारण खेल 90 मिनट तक रोकना पड़ा। खेल बहाल होने पर डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर आयरलैंड को 36 ओवर में 168 रन का लक्ष्य मिला। आयरलैंड ने सात गेंद में ही एक विकेट खोकर बाकी रन बना लिए। अब श्रृंखला। .। से बराबरी पर है और आखिरी मैच रविवार को यहीं खेला जाएगा।

क्रिकेट

दक्षिण अफ्रीका ने भारत का सपना दुस्वप्न में बदला, श्रृंखला 2-1 से जीती

एजेंसी ■ केपटाउन

दक्षिण अफ्रीका ने अपने अनुशासित और उत्कृष्ट प्रदर्शन से दुनिया की नंबर एक टीम भारत का अंतिम किला फतह करने का सपना दुस्वप्न में बदलकर तीसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में चौथे दिन शुक्रवार को यहां सात विकेट से जीत दर्ज करके श्रृंखला 2-। से अपने नाम की। दक्षिण अफ्रीका के सामने 212 रन का लक्ष्य था जो उसने तीन विकेट खोकर हासिल किया। इसमें कीगन पीटरसन (113 गेंदों पर 82 रन) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने तीसरे दिन कप्तान डीन एल्गर (30) के साथ 78 रन की साझेदारी करके मजबूत नींव रखी थी। पीटरसन ने चौथे दिन सुबह रॉसी वान डर डुसेन (नाबाद 41) के साथ 52 रन जोड़कर भारत की उम्मीदों पर पानी फेरा। रही सही कसर वान डर डुसेन और तेम्बा वावुमा (नाबाद 32) के बीच 57 रन की अटूट साझेदारी ने पूरी कर दी। भारत के पास दक्षिण अफ्रीका में पहली बार श्रृंखला जीतने का बेहतरीन मौका था। उसने सेंचुरियन में पहला टेस्ट मैच 113 रन से जीतकर शानदार शुरुआत की थी लेकिन जोहानिसबर्ग में दूसरा मैच सात विकेट से हार गया था। इस तरह से भारत ने सातवीं बार दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट श्रृंखला गंवाई। इस बीच उसने एक बार 2010-11 में श्रृंखला।-। से बराबर की थी। आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को उसकी धरती पर हराने के बाद भारत को दक्षिण अफ्रीका में अंतिम किला फतह करना था लेकिन उसे उसके मजबूत बल्लेबाजी क्रम ने नीचा दिखाया। भारत ने पहली पारी 223 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को 210 रन पर रोक दिया लेकिन ऋषभ पंत के नाबाद 100 रन के बावजूद वह दूसरी पारी में 198 रन ही बना सका। इससे गेंदबाजों के सामने बचाव के लिए बड़ा स्कोर नहीं था। यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अंतर्गत खेली गई थी जिसमें प्रतिशत अंकों के आधार पर भारत पांचवें स्थान पर खिसक गया है जबकि दक्षिण अफ्रीका चौथे स्थान पर पहुंच गया है। पीटरसन और वान डर डुसेन ने सुबह के सत्र में अच्छी बल्लेबाजी करके दक्षिण अफ्रीका के लिए काम आसान किया। पीटरसन ने अपनी पारी में 10 चौके लगाए जबकि वान डर डुसेन ने संयम की प्रतिमूर्ति बनकर क्रीज संभाले रखी। उन्होंने 95 गेंदों का सामना किया। बावुमा ने अपनी फार्म बरकरार रखी और कुछ करारे शॉट जमाए। उन्होंने अपनी 58 गेंद की पारी में पांच चौके लगाए जिसमें रविचंद्रन अश्विन पर लगाया गया विजई चौका भी शामिल है। चेतेश्वर पुजारा ने इस बीच पीटरसन का स्लिप में आसान कैच छोड़ा जिससे भारत की परेशानियां बढ़ी। तब बल्लेबाज 59 रन पर था और इसके बाद उन्होंने कुछ चौके जड़कर भारतीयों पर दबाव बनाया। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी के पहले स्पेल को खेलना चुनौती थी लेकिन पीटरसन और वान डर डुसेन ने कुछ बेहतरीन गेंदों का सामना करने के बावजूद क्रीज संभाले रखी। इनका पहला स्पेल निकल जाने के बाद उन्होंने उमेश यादव को निशाने पर रखा तथा ऑफ साइड में कुछ खूबसूरत चौके लगाए। इस कारण विराट कोहली ने क्षेत्ररक्षण छितरा दिया जिससे बल्लेबाजों को एक दो रन लेने में आसानी हुई। वह शार्दुल ठाकुर थे जिनकी अंदर आती गेंद पीटरसन के बल्ले के अंदरूनी किनारे से लगकर विकेटों में समा गई। इसके बाद हालांकि वान डर डुसेन और तेम्बा वावुमा ने भारतीयों को कोई मौका नहीं दिया। पीटरसन दक्षिण अफ्रीका की जीत के नायक रहे। उनके पास तकनीकी के साथ आवश्यक धैर्य भी है जो शीर्ष स्तर की क्रिकेट के लिए जरूरी होता है।

कोहली ने डीआरएस मामले में आलोचना पर कहा, बाहर बैठे लोग नहीं जानते कि मैदान पर क्या चल रहा है

एजेंसी ■ केपटाउन

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने डीआरएस का विवादित फैसला डीन एल्गर के पक्ष में जाने के बाद प्रसारकों के खिलाफ अपनी टीम के मौखिक हमले का बचाव करते हुए शुक्रवार को कहा कि बाहर बैठे लोग मैदान पर इस तरह के व्यवहार के कारणों को नहीं जानते। कोहली और उनके साथियों ने तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन अंतिम 45 मिनट के दौरान तब अपना आपा खो दिया जब दक्षिण अफ्रीका के कप्तान डीन एल्गर को विवादास्पद डीआरएस फैसले के कारण क्रीज पर टिके रहे। भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी निराशा स्टंप माइक पर व्यक्त की। भारत तीसरा मैच सात विकेट से हारने के कारण श्रृंखला 2-। से गंवा बैठा। कोहली ने शुक्रवार को यहां मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे इस पर कोई टिप्पणी नहीं करनी है। हम जानते हैं कि मैदान पर क्या हुआ और बाहर बैठे लोगों को पता नहीं होता है कि मैदान पर क्या चल रहा है।

उन्होंने कहा, मेरे लिए मैदान पर हमने जो कुछ किया उसे सही ठहराने की कोशिश करना और यह कहना कि हम भावनाओं में बह गए [8230][8230]। कोहली ने वाक्य पूरा नहीं किया। कोहली ने कहा, अगर हम वहां पर हावी हो जाते और तीन विकेट लेते तो संभवतः वह क्षण खेल की दिशा बदल देता। यह घटना 21वें ओवर में घटी जबकि रविचंद्रन अश्विन की उछाल लेती गेंद सीधे एल्गर के पैड पर लगी। अंपायर मारियास इरासमस ने उंगली उठा दी लेकिन एल्गर ने डीआरएस लिया। रीप्ले से हालांकि पता चला कि गेंद विकेट के ऊपर से निकल रही थी और ऐसे में अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा। इस पर भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी निराशा खुलकर व्यक्त की। अब तक 99 टेस्ट खेल चुके कोहली ने कहा कि वह इसे विवाद नहीं बनाना चाहते हैं और उनकी टीम इससे आगे निकल चुकी है। उन्होंने कहा, वास्तविकता यह है कि हमने इस टेस्ट मैच में उन पर लंबे समय तक पर्याप्त दबाव नहीं बनाए रखा और इसलिए हम मैच हार गए।

हॉकी इंडिया ने महिला हॉकी टीम के लिए संभावित समूह की घोषणा की

एजेंसी ■ नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने सीनियर महिला टीम के लिए संभावित समूह की घोषणा कर दी है जो इस साल बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेलेगी। बेंगलुरू में भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र पर चयन ट्रायल के बाद समूह का चयन किया गया। विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंटों में प्रदर्शन के आधार पर 60 खिलाड़ियों को ट्रायल के लिए बुलाया गया था। हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति में भारतीय टीम की मुख्य कोच यानेके शॉपमैन ने कहा , यह नए सिरे से शुरूआत करने और भविष्य के लिए रणनीति बनाने का समय है। तोक्यो ओलंपिक से मिले अनुभव के बाद हमें लगातार बेहतर प्रदर्शन करना है। नजरें पेरिस ओलंपिक 2024 पर हैं। सविता पूनिया की कप्तानी में भारत की 18 सदस्यीय टीम एशिया कप खेलने मस्कट जाएगी। बाकी खिलाड़ी शिविर में रहेंगे और अगले महीने भुवनेश्वर में होने वाले एफआईएच हॉकी प्रो लीग मैचों की तैयारी करते रहेंगे।

पहला लक्ष्य क्वार्टर फाइनल में पहुंचना: भारतीय महिला फुटबॉल टीम के कोच

एजेंसी ■ मुंबई

भारतीय महिला फुटबाल टीम की मुख्य कोच थॉमस डेनेरबी ने कहा कि उनकी टीम आगामी एएफसी एशियाई महिला कप के लिए अच्छी तरह से तैयार है और उसका पहला वास्तविक लक्ष्य क्वार्टर फाइनल में पहुंचना है। मेजबान भारत एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के इस शीर्ष टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत 20 जनवरी को ईरान के खिलाफ करेगा।डेनेरबी ने शुक्रवार को महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए आयोजित ऑनलाइन मीडिया सत्र में कहा, जब हमने टूर्नामेंट की तैयारियां शुरू की थी तब ही मैंने कहा था कि क्वार्टर फाइनल में जगह बनाना हमारा पहला लक्ष्य होगा। अनुभवी कोच ने कहा, अगर हम क्वार्टर फाइनल तक पहुँचते हैं, तो सब कुछ हो सकता है क्योंकि जब आप क्वार्टर फाइनल में होते हैं और यह नॉकआउट चरण होता है। इसमें सभी टीमें दबाव में खेलेंगी। लेकिन निश्चित रूप से क्वार्टर फाइनल हमारा लक्ष्य है और हमें भी लगता है कि यह हासिल करने लायक लक्ष्य है। बारह टीमों की इस टूर्नामेंट में भारत को ग्रुप ए में रखा गया है। भारतीय टीम को ग्रुप चरण में ईरान (20 जनवरी), चीनी ताइपै (23 जनवरी) और चीन (26 जनवरी) के खिलाफ खेलना है।

टेनिस

आस्ट्रेलिया ने फिर रद्द किया जोकोविच का वीजा निर्वासित होना तय

एजेंसी ■ मेलबर्न

आस्ट्रेलिया सरकार ने टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच का वीजा दूसरी बार रद्द कर दिया है और उन्हें निर्वासित किया जा सकता है जिससे आस्ट्रेलियाई ओपन में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी के खेल पाने को लेकर बनी अनिश्चितता में एक नया मोड़ आ गया। आव्रजन मंत्री एलेक्स हॉके ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने मंत्री के तौर पर अपने विशेषाधिकार का प्रयोग करके सर्बिया के इस 34 वर्षीय खिलाड़ी का वीजा जनहित आधार पर रद्द कर दिया है। आस्ट्रेलियाई ओपन तीन दिन बाद शुरू होने वाला है। जोकोविच के वकील फेडरल सर्किट और फैमिली कोर्ट में इसके खिलाफ अपील कर सकते हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह भी पहली बार वीजा रद्द होने के बाद अपील करके कानूनी लड़ाई जीती थी। मामले की सुनवाई शुक्रवार की रात होगी। आस्ट्रेलिया से निर्वासित किए जाने पर अगले तीन साल तक देश में प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। उसे हालांकि हटाया जा सकता है लेकिन यह हालात पर निर्भर करेगा। हॉके ने कहा कि उन्होंने जनहित को ध्यान में रखकर स्वास्थ्य कारणों से यह फैसला लिया है। उन्होंने एक बयान में कहा , मौरिसन सरकार आस्ट्रेलियाई सीमाओं की कोरोना महामारी के इस दौर में रक्षा करने को लेकर प्रतिबद्ध है। आस्ट्रेलिया में शुक्रवार को कोरोना संक्रमण के 130000 नए मामले आए जिसमें करीब 35000 मामले विक्टोरिया राज्य में अकेले हैं। पिछली बार की तरह लोग हालांकि गंभीर रूप से बीमार नहीं हो रहे लेकिन स्वास्थ्य तंत्र पर इसका असर पड़ा है क्योंकि 4400 लोग अस्पताल में भर्ती है। मौरिसन ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि आस्ट्रेलिया में कोरोना महामारी के कारण मृत्युदर बहुत कम रही है और टीकाकरण के आंकड़े सबसे ऊंचे रहे हैं। उन्होंने एक बयान में कहा , यह महामारी हर आस्ट्रेलियाई के लिए काफी कठिन रही है। हमने साथ मिलकर जानें और आजीविका बचाई।

केकेआर ने भरत अरुण को गेंदबाजी कोच बनाया

एजेंसी ■ कोलकाता

भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच भरत अरुण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ उसी भूमिका में जुड़ गए हैं। इस आईपीएल टीम ने शुक्रवार को यह घोषणा की। अरुण की नियुक्ति की घोषणा करते हुए केकेआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक वेंकी मैसूर ने कहा, हम भारत अरुण जैसे किसी व्यक्ति को अपनी टीम में गेंदबाजी कोच के रूप में शामिल कर के लिए बहुत उत्साहित हैं। वह काफी अनुभव और विशेषज्ञता के साथ केकेआर से जुड़ेंगे। हमें नाइट राइडर्स परिवार में उनका स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। अरुण हाल तक रवि शास्त्री के नेतृत्व में भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच थे। अरुण ने भारत के लिए दो टेस्ट और चार एकदिवसीय मैच खेले हैं। वह तमिलनाडु के सफल घरेलू क्रिकेटर रहे हैं। अरुण ने इस बयान में कहा, मैं नाइट राइडर्स जैसे एक बेहद सफल फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक और बहुत उत्साहित हूं। टीम के मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम ने कहा, मैं केकेआर के कोचिंग स्टाफ में बी अरुण का गर्मजोशी से स्वागत करता हूं। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सफल रहे है और मुझे यकीन है कि अरुण हमारे मौजूदा सहयोगियों की मदद करेंगे।

एशेज टेस्ट हेड ने शतक पूरा करने के बाद वोक्स की गेंद पर मिडऑन पर कैच दिया।

हेड के शतक से आस्ट्रेलिया ने वापसी की

एजेंसी ■ होबार्ट

ट्रेविस हेड के शतक की मदद से आस्ट्रेलिया ने तीन विकेट पर 12 रन की बेहद खराब शुरुआत से उबरकर इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट मैच के बारिश से प्रभावित पहले दिन शुक्रवार को यहां छह विकेट पर 241 रन बनाए। ब्रिसबेन में पहले टेस्ट मैच में 152 रन बनाने वाले हेड ने 113 गेंदों पर 101 रन की आक्रामक पारी खेलकर इंग्लैंड को इस दिन रात्रि टेस्ट मैच में शुरुआती सफलता का फायदा नहीं उठाने दिया। कैमरन ग्रीन ने भी 74 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। मार्नश लाबुसेन ने 44 रन बनाए। हेड और ग्रीन ने पांचवें विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी की। चाय के विश्राम के आधे घंटे बाद बारिश के कारण दिन में आगे का खेल नहीं हो पाया। आस्ट्रेलिया के टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के फैसले के बाद हेड ने 10वें ओवर में जब क्रीज पर कदम रखा तब तक डेविड वार्नर (शून्य), उस्मान ख्वाजा (छह) और स्टीव स्मिथ (शून्य) पवेलियन लौट चुके थे। गेंदबाजों के लिए अनुकूल दिख रहे विकेट पर ओली रॉबिन्सन (24 रन देकर दो) और स्टुअर्ट ब्रॉड (48 रन देकर दो) ने आस्ट्रेलिया को मुख्य रूप से नुकसान पहुंचाया। कोरोना वायरस से संक्रमित होने के कारण सिडनी टेस्ट में नहीं खेल पाने वाले हेड ने पहले लाबुशेन के साथ 71 रन की साझेदारी करके स्थिति संभाली। लाबुशन ने जब खाता भी नहीं खोला था तब जॉक क्राउली ने दूसरी स्लिप में उनका कैच छोड़ा जो इंग्लैंड को महंगा पड़ा। लाबुशेन ने क्रिस वोक्स (50 रन देकर एक) और मार्क वुड (79 रन देकर एक) पर कुछ अच्छे शॉट जमाए लेकिन ब्रॉड की गेंद को एक्रास द लाइन खेलने के प्रयास में वह फिसल गए और बोल्ड हो गए।

दूसरे सत्र में हेड और ग्रीन ने विकेट के दोनों तरफ कुछ अच्छे शॉट लगाए। हेड ने शतक पूरा करने के बाद वोक्स की गेंद पर मिडऑन पर कैच दिया। उन्होंने अपनी पारी में 12 चौके लगाए। ग्रीन ने वुड की गेंद पर आउट होने से पहले 109 गेंदें खेली और आठ चौके जड़े। स्टंप उखड़ने के समय एलेक्स कैरी 10 रन पर खेल रहे थे जबकि मिशेल स्टार्क को अभी खाता खोलना है।